~1~

श्री गणेश वंदना
जै श्री गणेश

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
माता तुमरी पार्वती पिता महादेवा

एक दन्त दयावन्त चार भुजा धारी
माथे सिंदूर विराजे मूसे की सवारी

फूल चढ़े पान चढ़े और चढ़े मेवा
लड्डुओ का भोग लगे सन्त करे सेवा

अन्धे को आंख देते कोड़ियन को काया
बाछन को पुत्र देते निर्धन को माया

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
सूर श्याम शरण आए सफल कीजो सेवा

गौरी गणेश वंदना
जै श्री गणेश

गौरी गणेश मनाओ री मेरी अम्बे रानी
गणपत गणेश मनाओ री मेरी अम्बे रानी

हरा हरा गोबर देवा अगन लिपाया
मोतियन चौक पुराओ री मेरी अम्बे रानी

चन्दन चौकी नहान सजोया
कोरे कोरे कलश भराओ री मेरी अम्बे रानी
गंगा जल भर लाओ री मेरी अम्बे रानी

सुआ सुआ चौला मां के अंग विराजे

गोटा किनारी लगाओ री मेरी अम्बे रानी
सलमा सितारे जड़ाओ री मेरी अम्बे रानी

गोरी गोरी बहियां मां की लाल चुडिया
हाथो में मंहदी लगाओ री मेरी अम्बे रानी
मंहदी के दरश कराओ री मेरी अम्बे रानी

सिर सोने का मैया छत्तर विराजे
माथे पे बिन्दिया कानो झुमके साजे
कमर में तगड़ी गल तोड़ा साजे
हाथ में कंगन पग पायल बाजे
नाक में नथनी पहनाओ री मेरी अम्बे रानी

हरा हरा पीपल देवा बाहर भवन के
वन्दन वार सजाओ री मेरी अम्बे रानी
मैया का भवन सजाओ री मेरी अम्बे रानी

खीर खांड देवा सब रस मेवा
हलुए का भोग लगाओ री मेरी अम्बे रानी
चनों का भोग लगाओ री मेरी अम्बे रानी

पान सुपारी देवा ध्वजा नारियल
चरणों में भेंट जढ़ाओ री मेरी अम्बे रानी

कंचन थाल कपूर की बाती
जगमग जोंता जगाओ री मेरी अम्बे रानी
मैया की जोंता जगाओ री मेरी अम्बे रानी

अन्धे को अखियाँ देवा कोड़ी को काया
बाझन लाल खिलाओ री मेरी अम्बे रानी
निर्धन धन दिलवाओ री मेरी अम्बे रानी

ध्यानू भगत मैया तेरा यश गावे
दुर्गा मंडल मैया तेरे गुण गावे
शरणी में अपनी लगाइयो री मेरी अम्बे रानी
सेवा में अपनी लगाइओ री मेरी अम्बे रानी

मैया पचरंग चोलिये वालिये राज माँ

जय माता की

मैया पंचरंग चोलिये वालिये राज माँ
तेरे गल फूलाँ दे हार
गल हार वालिये... मैया गल फूलाँ दे हार...
तेरीयाँ जोताँ तो मैं वारि-2 जावाँ
जिन रावाँ भवना वाली आवे
उन रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ
तेरीयाँ जोताँ तो मैं वारि-2 जावाँ
अम्मा रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ

1 मैया गुँध लाई मालन सेवरा राज माँ
पहनो पहनो आँद कुँवार
पहनो पहनो आँद कुँवार
जिन रावाँ जयपुर वाली आवे
उन रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ
2 मैया गरूण चढ़े विष्णु मिले राज माँ
दाती बैल चढ़े भोले नाथ लाटाँवालिये
जिन रावाँ कालका मैया आवे
उन रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ
3 मैया सिंह चढ़ी तू आप मिले राज माँ
मेरे सारे कारज रास, मेरे कारज रास लाँटावालियें
जिन रावाँ कलकत्ते वाली आवे
उन रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ
4 मैया कराँ मजुरी करो दया
दाती आवाँ तेरे देश, तेरे देश लाँटावालिये
जिन रावाँ कांगड़ा वाली आवे
उन रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ

5 मैया नहाँ-2 जान्दे यात्रु राज माँ
मुख बोलन जै-2 कार, जै-2 कार लाँटावालिये
जिन रावाँ वैष्णो मैया आवे
उन रावाँ तो मैं वारि-2 जावाँ

6 मैया आप तो बैठी भवन में राज माँ
तेरे बच्चे बैठे हैं परदेश, परदेश लाँटावालिये
जिन रावाँ बड़ी अम्मा आवे
उन रावाँ मै तो वारि-2 जावाँ

7 मैया जे तू पार लगावना राज माँ
दाती भेज दो लौकर वीर, लौकर वीर लाँटावालिये
जिन रावाँ ज्वाला मैया आवे
उन रावाँ मै तो वारि-2 जावाँ

8 मैया सिमर चरण तेरा ध्यानु जस गावे राज माँ
मैया जो ध्यावे सोई वो फल पावे राज माँ
मैया हरो भक्तन की पीर, हरो पीर लाँटावालिये
जिन रावाँ मैया बाबा आवें
उन रावाँ मै तो वारि-2 जावाँ

~4~

माँ की जोत जलाते चलो

<u>जय माता की</u>

माँ की जोत जलाते चलो
मैया की जै-2 बुलाते चलो

1 मां के भवन का अजब नजारा
उसकी महीमा अपरम्पारा
दर्श भी देगी भगंता गाते चलो
मैया की जै-2 ....

माँ के द्वारे जो भी आये
झोलिया भर-2 वो ले जाये
राह में आए ना कोई बाधा
मन में भगंता मत धबराना
श्रध्दा की जोत जगाते चलो
मैया की जै-2 ....

2 बाण गंगा से चरण पादुका
आगे आर्ध कुवाँरी
भैरों मन्दिर से भवन देख लो
माता शेराँ वाली
प्रेम से शीश झुकाते चलो
मैया की जै-2 ....

3 माँ तेरे बच्चे द्वार खडे हैं
दे दर्शन माई
आस लगी है मन में भारी
दे दर्शन माई माँ से ध्यान लगाते चलो
मैया की जै-2 ....

4 पुत कपुत सुने हैं माता
माँ ना सुनी कुमाता
पुत्र ये तेरा मैया तुझे पुकारे
कर दे पुरी आशा
माँ से लौ को लगाते चलो
मैया की जै-2 ....

~5~

मेरी रुनक - झुनक मैया चली आ रही

जय माता की

मेरी रूनक झुनक मैया चली आ रही
उसकी पैरों की महन्दी है अजब बनी
उसकी चाल पे धरती भी शर्मा रही
मेरी रूनक ....

1 उसके माथे का मुकट है अजब बना
उसके तेज से दिशाएँ भी जगमगा रही
उसकी बिदियाँ पे अजब बहार आ रही
मेरी रूनक ....

2 उसकी साड़ी पर अजब बहार आ रही
चप्पे चप्पे पे जड़ी मोतियन की लड़ी
उसकी चुन्नी पे अजब बहार आ रही
मेरी रूनक ....

3 उसकी कमर की तगड़ी है अजब बनी
उसके हाथो के कंगन है अजब बने
उसकी चमक पे अजब बहार आ रही
मेरी रूनक ....

4 उसकी पैरों की पायल है अजब बनी
उस पे हीरे-मोती-पन्नो की लड़ियाँ लगी
उसकी छन-2 पे धरती भी शरमा रही
मेरी रूनक ....

5 उसके कानों के कुण्डल है अजब बने
उसके गले का तोड़ा है अजब बना
उसकी नथनी पे अजब बहार आ रही
मेरी रूनक ....

6 तेरे भक्त खड़े है मैया सामने तेरे
मिले दर्शन यह मन को इच्छा बड़ी
मेरी रूनक ....

~6~

माँ शेराँ वाली से लौ को लगाना

जय माता की

माँ शेराँ वाली से लौ को लगाना
दर्श भी देगी भगता ध्यान लगाना
माँ शेराँ वाली........

1 माँ के भवन की छब है निराली
जो भी आये जाये ना खाली..........2
प्रेम से भक्तों शीश झुकाना
माँ शेराँ वाली........

2 सुआ सुआ चोला माँ के अंग विराजे
माथे पे बिंदिया मुकटवा साजे
माँ की नथनिया पे लाल जड़ाना
माँ शेराँ वाली........

3 माँ तेरे बच्चे द्वार खड़े हैं
दर्श की इच्छा लिये मन में खड़े हैं
माँ शेराँ वाली........

4 पान सुपारी मैया ध्वजा नारियल
लेकर खड़े मैया दास ये अडियल
माँ शेराँ वाली........

5 सुरज चाँद मा के पहरी बने हैं
दास ये तेरे मैया चँवर करे हैं
हीरे मोतियो की माला माँ को पहनाना
माँ शेराँ वाली........

6 कलिया का माँ का मुकट बना है
कुण्डलों में माँ के चम्पा लगा है
बेला चमेली का माँ का हार बना है
सब फुलों से माँ का भवन सजाना
माँ शेराँ वाली........

7 है एक विनती मैया पुत्र की तेरे
सब औगुन माँ दूर करो मेरे
बच्चों की मुरादे मैया पुरी कर जाना
माँ शेराँ वाली..........

दर्श देओ तो कर ना पाये

जय माता की

दर्श देओ तो कर ना पाये, बिन दर्श के दिल घबराये
हमें क्या हो गया है,
सुन मेरी अम्बे जी, सुन मेरी जगदम्बे जी
रंग ले हमें भी अपने रंग में
सुआ-2 चोला तेरे अंग विराजे
माथे बिंदिया सुहाये, हमें क्या हो गया है
दर्श देओ............................

1 सुन मेरी अम्बे जी, सुन मेरी जगदम्बे जी
सुना है बड़े बड़े पापी तारे
हमे भी तार दे माई
मेरी बार देर लगाई, तुम्हें क्या हो गया है
दर्श देओ...........................

2 दास ये तेरा तुझे पुकारे
सुन ले पुकार मेरी माई
अब काहे देर लगाई, तुम्हें क्या हो
दर्श देओ...........................

3 सुन मेरी अम्बे माँ, सुन मेरी जगदम्बे जी
तेरी छवि हे ऐसी माई
हमसे ना वर्णनी जाये, हमें क्या हो
दर्श देओ...........................

~8~

मैया आवेगी दर्श दिखायेगी

<u>जय माता की</u>

मैया आवेगी, दर्श दिखायेगी
जो भी मंगना है भगता
सो आज मांग लो
मैया आवेगी ....

1 मेरी मैया का भवन निराला
अजब उसकी शान है
माँ बैठी है मगन-भवन में
कर देगी निस्तारा
मैया आवेगी ....

2 तेरे अंगना में दास है बैठे
तू आ जा मैया खेल जा
तेरी दया के सब है भिखारी
दे दे दर्शन माई
बालक तेरे है, नादा तेरे है
हम से क्यों रूठी माई
मैया आवेगी ....

3 मेरी मैया की शान निराली
वो है बलशाली
दुष्टों को मारे पल भर में
लाख रोक ले कोई ताकत पर मैया आवेगी
मैया आवेगी ....

4 मेरी मैया की छवि है निराली
मैं किस मुख वर्णनू माँ
सुआ-2 चोला तेरे अंग विराजे
कमर पे तगड़ी साजे
कंगना खनकेगा, पायल बाजेगी
चाल पे धरती शर्मायेगी
मैया आवेगी ....

मेरी मैया बैठी है देखो आकर

जय माता की

मेरी मैया बैठी है देखो आकर भवन में, दर्शन कर लो रे भंगता आके
तर जाओगे दर्शन पाके....................2

1 सुआ-2 चोला माँ के अंग विराजे
माथे पे बिंदिया सर पे मुकट विराजे
माँ की नथनी में हीरे-मोती लागे
दर्शन कर लो ....

2 गले में मोतियन की माला पड़ी है
कानों में कुण्डल, कमर में तगड़ी है
उसके कंगनों में हीरे-मोती लागे
दर्शन कर लो ....

3 एक हाथ माँ के कलश विराजे
दुजे हाथ में माँ के त्रिशुल विराजे
तीजे हाथ में माँ के कमल विराजे
चौथे हाथ में माँ के खड़ग विराजे
उसकी शोभा ना वर्णनी जाये
दर्शन कर लो ....

4 माँ के भवन का है अजब नजारा
कहीं नाचे मोर कहीं पपीहा पुकारा
चाँद सुरज माँ के प्रहरी बने है
चम्पा चमेली उसके अंगना खिले हैं
कहीं महके जुई, कहीं मोंगरा सुहाये री
खस-खस का माँ को इतर सुहाये री
तर जाओगे दर्शन पाके.....
दर्शन कर लो ....

~10~

ढोलक झांझ बजाना

जय माता की

ढोलक झांझ बजाना...........2
पायल खुब बजाना............2
ताल से ताल मिलाना............2
दर्शन देने को मैया आई रे मेरी मैया......
मैया भवानी आई रे मेरी मैया......
अम्बे भवानी आई रे मैया मैया....
उसके रूप है हजार
दर्शन कर लो बारम्बार
कर के शेर पे सवारी आई रे मेरी मैया

1 माँ का पुजारी खड़ा मन्दिर में
आस लगी है, दर्शन देगी वो पल में
आस लगाई है, लौ भी लगाई है
दर्शन भी देगी माई रे मेरी मैया....
अम्बे भवानी आई रे...................

2 कर ले कर भी ले मैया की पूजा
इससे बड़ा कोई धर्म ना दूजा
माँ को मना ले तू, उसे अपना ले तू
बिगडी सँवर जाई रे मेरी मैया......
अम्बे भवानी आई रे..................

3 माँ का रूप है अजब निराला
जैसे हो मय का भरा हुआ प्याला
भक्त दिवाने हुए, आस लगाए हुए
माँ की जोत जगाई रे मेरी मैया....
अम्बे भवानी आई रे.....................

4 माँ के भवन का है अजब नजारा
कही नाचे मोर, कहीं पपीहा पुकारा
कहीं पड़े झूले हैं, कहीं लगे मेले हैं
कहीं गीत माँ के गाये रे मेरी मैया.....
अम्बे भवानी आई रे.........................

~11~

छोटी सी अम्बे जी वो तो फूलों में

<u>जय माता की</u>

छोटी सी अम्बे मैया जी वो तो फूलों में बैठी री
मैया को मेरी साड़ी सुहाये री

1 साड़ी पे माँ के मोती सुहाये री
साड़ी की चमक देख के, ये दिशाएँ भी शरमाये री
छोटी सी अम्बे मैया जी वो तो फूलों में बैठी री........

2 माथे पे माँ की बिंदिया सुहाये री
नाक में माँ के नथनी सुहाये री
कंगनों पे माँ के हीरे-मोती जडाओ री
छोटी सी अम्बे मैया जी वो तो फूलों में बैठी री........

3 मैया के मेरी मुकट सुहाये री
कानों में माँ के कुण्डल सुहाये री
गले का हार ऐसा री, जिसकी शान निराली री
छोटी सी अम्बे मैया जी वो तो फूलों में बैठी री........

4 फूलों से माँ का भवन सजाया री
फूलों को मैनें खुब गुंधाया री
माँ के भवन पे मोर री, वो तो पियु-पियु पुकारे री
छोटी सी अम्बे मैया जी वो तो फूलों में बैठी री........

5 दास तेरे द्वारे खडे हैं मैया री
पूरी कर दे आस तू इनकी मैया री
अंगना में बैठ के तेरे गुण गान गाए री
छोटी सी अम्बे मैया जी वो तो फूलों में बैठी री........

~12~

माँ शेराँ वाली है, मेंहरा वाली है

जय माता की

माँ शेरा वाली है, मेंहरा वाली है, दर्श भी देगी भगता आज रे
तू दे ताली पे ताल

1आज ते मैया भवन में बैठी कर सोलह सिंगार
हाथों में माँ के शस्त्र सुहाये, गल वैजयंती माल रे-2
उसकी शेर सवारी है वो तो जग रखवाली है
दर्श भी देगी आज रे, तू दे ताली पे ताल
माँ शेराँ वाली..............................

2 शुम्भ निशुम्भ को तूने मारा, महिषासुर को संहारा
दुष्टों को मार के मैया, तूने जग खुशहाल बनाया
और मैया संसार को स्वर्ग बनाया
वैसे तू भोली भाली है, भगत रखवाली है
भगतो को कर देगी पल में निहाल रे
तू दे ताली पे ताली.................
माँ शेराँ वाली..............................

3 भगत ये माँ तेरे दर पे खड़े है, करके माँ ये मन में आस
पूरी करेगी मैया अपने भगतो की, मन में जो लागी आस
ओ मन में जो लागी आस, तू दे ताली पे ताल
माँ शेराँ वाली..............................

4माँ तो मेरी भोली भाली है, मुरादे देने वाली है
तू माँग के देख एक बार रे
भगतां दे ताली पे ताल.........
माँ शेराँ वाली ....

~13~

मेरी मैया बैठी हाँ - 2 भवन में बैठी

जय माता की

मेरी मैया बैठी हाँ-2, भवन में बैठी,
पहन के तीन रंग की साड़ी
आसे पासे माँ के भगत है बैठे,
देख के दुनिया डोली, मेरी मैया..........

1 दी रंग अंग है तो धानी रंग लहँगा
सोने रंग चुनर का मोल बड़ा मंहगा
मन बडा भोला, वचन बडा प्यारा
माँ भगतो से बोली ....
मेरी मैया ....

2 मुख की चमक है अजब निराली
जिसकी शोभा वर्णनी ना जाय
माँ के दासों ध्यान से देखो
माँ है बड़ी भोली भाली
मेरी मैया ....

3 माँ के भवन को भगतो ऐसे संवारो
दीप जला दो, फूल सजा दो
देख के दुनिया मगन हो जाए
ऐसी सजा दो रंगोली
मेरी मैया.........

4 माँ मेरी जगदम्बे की इस जग में शान अमर है
चाँद सूरज माँ के प्रहरी बने हैं
इन्द्र चवँर करत है
ब्रह्मा विष्णु इन्हें नित ध्यावें
शंकर ध्यान लगावे
मेरी मैया............

5 बहने इनकी चर्मण–ज्वाला
रण के रूप दिखावे मेरी माँ
रण के रूप दिखावे...........
भगतों जरा ध्यान से सुन लो
मैया तो तुम्हारी होली
मेरी मैया........

~14~

ओ मैया प्यारी बोले दिल की यह धड़कन

जय माता की

औ मैया प्यारी बोले दिल की यह धड़कन
के आ जा तुझे पुकारे मन, ओ मैया प्यारी

1 आस लगी है तेरी मैया
उसको बनाये मैया रखियो
ऐसी हो न जाए बात, हम सोचे दिन रात
कि तू भी भूल गई माँ हमें, ओ.....
ओ मैया ....

2 तेरा ये दास माँ बड़ा दिवाना
हँसता रहे दिन रैना
तेरा उत्सव हो दिन रात
मैं खड़ा रहूँ माँ तेरे पास
मुझको दिखता रहे माँ भवन
ओ मैया ....

3 गर कोई भूल हो गई माँ मुझसे
माँ उसको क्षमा तुम कर देना
दर्शन देती रहना माँ
और ना माँगू कुछ भी माँ
बस यही है मन में लग्न
ओ मैया ....

4 हो जब तमन्ना इशारा माँ करना
मै तो पास रहूगा माँ तेरे
जो भी हो माँ बात, वो कह देना साफ-2
वो सुनुगाँ माँ मैं मुख से तेरे
ओ मैया.......................

5 एक ही विनती माँ लाल की तेरे
हो सके तो कभी न भुलाना
दर से अपने मुझको न ठुकराना माँ
मैं चाहता हूँ माँ बस यही
ओ मैया......................

~15~

मेरी माँ जगदम्बे की अजब है शान

<u>जय माता की</u>

मेरी माँ जगदम्बे की अजब ही शान है
वो है बलशाली जगत को इसका ज्ञान है

1 माँ मेरी अम्बे जगत रखवाली
दुष्टों को मारे पल भर में वो है बलशाली
वो करती शेर सवारी, उसकी छब ही महान है
मेरी माँ.............................

2 जो भी आए द्वारे, वो जाए ना खाली
सारा जग ये जाने, है मुराद देने वाली
तू भी माँग के देख ले भगता
उसकी महिमा महान है
मेरी माँ.............................

3 दास ये तेरा मैया दुखिया है तुझे पुकारे
सब आशाएं छोड़ के मैया, मै आया तेरे द्वारे
माँ खाली झोली भर दे
लगी मन मां बड़ी आस
मेरी माँ.............................

~16~

मैं घबराऊँ कैसे - 2 मैं सुनाऊ

<u>जय माता की</u>

मैं घबराऊँ कैसे-2 मैं सुनाऊँ
सब को शक्ति माँ की रूप कहानियाँ

1 पहली कहानी जिसने सुर भैसें को मारा
महासुर था वो, कहलाया वो महिषासुर वो
ऐसा रूप था उस देवी का, और सिंह सवारियाँ
मैं घबराऊँ.................

2 दूजी कहानी जिसने चण्ड-मुण्ड को मारा
कहलाई थी तुम चण्डी
पहनी थी मुण्डो की माला
ऐसा रूप था...............
मैं घबराऊँ..............

3 तीजी कहानी जिसने रक्त-बीज को मारा
चूस उसका सारा रक्त
उसको रण में मार गिराया
ऐसा रूप था...............
मैं घबराऊँ..............

4चौथी कहानी जिसने चामर को मारा
सर उसका काट कर, यम लोक पहुँचाया
ऐसा रूप था...............
मैं घबराऊँ..............

5 पाँचवी कहानी जिसने शुम्भ-निशुम्भ को मारा
काँप उठे थे तीनो लोक, जब धरती पर उसको पटका
ऐसा रूप था................
मैं घबराऊँ...............

~17~

मेरी मैया का भवन है सुहाना

जय माता की

मेरी मैया का भवन है सुहाना
दर्शन कर लो रे भगंता दिवाना
जय अम्बे जय-जय-जय माँ...........2

1 माँ को मना लो आयेगी वो
मन की मुरादे दे जायेगी वो
मेरी मैया से लौ को लगाना
दर्शन कर लो के भगंता दिवाना
मेरा मैया..............

2 माँ तेरे बच्चे द्वार खड़े
मन में ले आस ये दर पे अड़े
इनके दामन में खुशिया भर जाना
दर्शन कर लो................

3 माँ तेरी महिमा अपरम्पार
जान सका ना तुझे ये संसार
अपने बच्चों को दर्शन दिखाना
दर्शन कर लो...............

4 है एक विनती माँ इस लाल की
पुरी करना मेरी अम्बे जी
इन चरणो में प्राण गँवाना
दर्शन कर लो...............

भंगता यहाँ आये किसलिए

जय माता की

भगँता यहाँ आये किसलिये
माँ ने बुलाया इसलिये
आए है तो दर्श भी पायेगें
मैया जी को शीश झुकाएगें
हाँ-2 मैया जी को शीश झुकायेगें

1 शीश झुकाने की क्या बात है
वो तो हरदम तुम्हारे साथ है
ना - ना शीश तो हरदम झुकायेगें
मन की मुरादे पा जायेगें........
भगँता.....................

2 माँ के भवन की अजब शान है
ऊँचे पर्वत पे जिसका निवास है
पैदल ही चढ़ते जायेगें, मैया जी के दर्शन पायेगें
हाँ-2 मैया जी के दर्शन पायेगें
भगँता.....................

3 शेर पे सवारी मैया आयेगी
भगंतों दर्शन भी वो तो दे जायेगी
मैया जी से ध्यान लगाओ तुम
सब दु:ख दूर हो जायेगें
भगँता.....................

4 दास ये तेरे माँ गरीब है
इसका कैसा लिखा माँ नसीब है
नसीबों वाले माँ तेरे दर पर आयेगें
सब दुनिया के सुख पा जायेगें
हाँ-2 सुख पा जायेगें
भगँता.....................

5 माँ इन बच्चों को जग मे खुश रखना
माँ हम तो हरदम तेरी जै-2 कार मनाएगें
पलकों पे तुझको बिठाऐगे हाँ-2
भगँता......................

6 माँ है एक विनती इस दास की
मैया पुरी करना हरदम
तेरी सेवा में रहूँ माँ हरदम
तेरे चरणों में प्राण गवायेगें - हाँ-2
तेरे चरणों........................
भगँता......................

~19~

मैया आई है दाती आई है

<u>जय माती की</u>

मैया आई है, दाती आई है
माँ को मना ले, रिझा ले
बड़ी खुशहाली होगी
मैया......................

1 माँग ले भगंता तू माँ से
मन की मुरादे मिल जाएँ
हाँ-2 मन की मुरादे मिल जाएँ
ये वो दर है मेरे भगँता
खाली ना जाये कोई यहाँ से
मैया......................

2 माँगे तू महल-दूमहले
मेरी माँ देगी तुझ को पहले
मेरी माँ से लौ को लगा ले
आस पूजेगी तेरी
मेरी मैया......................

3 माँ बैठी है भवन में
दर्श भी कर ले भगंता आके
दुष्टो को मारे पल में तेरी सुनेगी आज
मैया......................

4 माँ तेरे दास दिवाने बैठे हैं तेरे भवन में
आस लगी है इनको मन में
दर्श भी देगी हर पल में
ऐसा ना हो तेरे बच्चों की आस टूट जाए
मैया.......................

~20~

जग मग जग मग त्रिभुवन में

जय माता की

जग मग जग मग त्रिभुवन में
ज्योति है तिहारी
नवलख तारे वारि जाये, चरणों में बलिहारी

1 तू ही रमा है, तू ही उमा है
और तू ही शिव महामाया रे
चण्ड-मुण्ड दानव दलने को
चण्डी रूप बनाया रे
मंगल का भण्डार भरो माँ
सुखी करो संसारी
जग मग ....

2 भाल-चन्द्र कानो में कुण्डल
गल पुष्प माल हार रे
कोटि-2 माँ दैत्य विडारे
ले कर में तलवार रे
आज तेरे नव रूपों की माँ
घर - घर जै - कारी
जग मग ....

3 आशा और विश्वास तुम्हो पे
तेरा एक सहारा रे
जब-2 आई जटिल समस्या
तूने ही दु:ख टाला रे
दयामही माँ निशिदिन
तेरी देता हूँ मैं फेरी
जग मग ....

4 ऋण सागर में बहा जाता हूँ
कर धर मात उबार रे
तेरी कृपा का कटाक्ष भरोसा
अब तो पलक उभार रे
नवनिधि दो सेवक जोगी को
करो ना पल की देरी
जग मग ....

~21~

आया - २ मैं माँ का लाल बनकर आया

जय माता की

1 आया-2 मैं माँ का लाल बन कर आया
ओ मैया आना जरा दर्शन दिखाना
आके भवन में जरा उठ जाना
आया-2 मैं.......................

2 कहते है दुर्गे तुझको काली कालीये
आके कोई कला दिखाना
आया-2 मैं.......................

3 दर्शन जो दे दो मुझको, तो खुश रहूँ मैं
दर्शन ना दोगी तो न खुश रहूँगा
मूर्त दिल में बसा कर भजता रहूँ मैं
दर्शन ना दोगी तो न खुश रहूँगा
आया-2 मैं.......................

4 की तू है माँ बलशाली, की तू है माँ पालनहारी
छूपी बैठी हो तुम माँ यहाँ पर
सच्ची हो मैया तो आ जाओ सामने
बैठे है राह में तेरी ओ मैया
आया-2 मैं.......................

5 बैठे है हम सब वो शीश झुकाएँ
आज मनाने आए तुझको मैया
कि भर दे, भर दे, खाली झोलियाँ इनकी
आया-2 मैं...........................

~22~

पड़ा री हिंडोला चम्पे बाग़ में

<u>**जय माती की**</u>

पड़ा रि हिन्डोला चम्पे बाग में, हाँ पड़ा रि.....चम्पे बाग में
एक लंग झूले मेरी माई जी
दूजे लंग झूले भोला नाथ रे
पड़ा री.........................

1 क्या तो पहने मेरी माई जी
क्या तो पहने भोला नाथ रे
पड़ा री........................

2 साड़ी तो पहने मेरी माई जी, हाँ - 2 साड़ी तो पहने....
मृग छाला के उड़या भोला नाथ रे
पड़ा री.........................

3 क्या तो खाये मेरी माई जी
और क्या खाये भोला नाथ रे
पड़ा री.........................

4 पकवान तो खाये मेरी माई जी
और भंग के पिवैया भोला नाथ रे
पड़ा री.........................

5 आओ री सखियों मैया झूलती
देखो भगता मैया झूलती
भोला नाथ मग्न हो के झूलते
लम्बी लम्बी पींगे सखियाँ दे रही
मैया बैठी है सोलह सिंगार
पड़ा री.........................

6 अंबुआ की डाली पड़ा झूलना
रेशम की डोरी डाला झूलना
सोने की पटरी बैठी माई जी
चन्दन की पटरी बैठे भोले नाथ रे
भगतों झूम के गाओ मल्हार
पड़ा री........................

7 चम्पा चमेली खिली बाग में
जुई की कली खिली डाल में
हाँ – हाँ जुई की कली खिली डाल में
मोतियों के हार सखियाँ गुन्धती
मेरी मैया को हार पहनाओ रे
पड़ा री........................

8 काली घटाएँ नभ पे छा रही
नन्ही – 2 बूँदे माँ पे पड़ रही
इन्द्रणी जी आई साथ इन्द्र के
ब्रम्हाणी आई साथ ब्रम्हा के
लक्ष्मी जी आई साथ नारायण के
सारे देवता मग्न भये आज
पड़ा री........................

9 आज तो देखो भगतों ध्यान से
मैया बाबा झूले दोनों साथ रे
मग्न सारा जग ये तो देख के
जो भी माँगे आज मिल जायेगा
ऐसा मौका न आए बारम्बार
पड़ा री........................

~23~

मिलेगा - २ माँ का प्यार तुम्हे

जय माता की

मिलेगा मिलेगा-मिलेगा माँ का प्यार तुम्हे-2
तारेगा तारेगा-तारेगा माँ का प्यार तुम्हे-2

1 मेरी माँ है भोली भाली
वो तो जग की करे रखवाली
माँ को मना लो भगंता
वो तो है मेहरा वाली
तारेगा तारेगा-तारेगा माँ का प्यार तुम्हे-2
मिलेगा.................................

2 मैया भवन में बैठी, बन के सँवर के आई
देखो जरा तो भगतों, आज खुश है मां हमारी
देगी जो भी माँगोंगे माँ से माँग के देख
मिलेगा....................

3 मैया सा जग में दूजा, कोई ना है बलशाली
दुष्टों को मारे पल में, जग की करे रखवाली
माँ को मना लो तुम, दु:ख दूर करे, दु:ख दूर करे
मिलेगा............................

4 सारे जग से है निराली, मैया की छब है प्यारी
इसकी बात है निराली, माँ के भवन को देखो,
माँ के अगना में भक्तों, गुणगान करें, गुणगान करें
मिलेगा............................

5 सुन लेना मेरी माई
एक छोटी सी है विनती,
बच्चो को अपने दाती, देना सदा खुशहाली
तेरी सेवा ये करेगें, दिल में सदा रखेगें
पलको पे बिठा के तुझको, जै-2 कार करे, जै-2 कार करे
जै-2 कार करे जै-2.......
मिलेगा.....................

~24~

औ माँ मेरी पत रखियो लाटावालिये

<u>जय माता की</u>

1 ओ माँ मेरी पत रखियो सदा लाटावालिये
दुखिया पापन को दे दे सहारा
तेरा मन्दिर है न्यारा, मुझे भी दे तो उजियारा
मिटे मन का अंधियारा
ओ माँ.........................

2 मोह माया के तोड़ दे बन्धन
तेरे द्वारे आ गई जोगन
और कोई नहीं मेरा तेरे सिवा लाटावालिये
ओ माँ.........................

3 मै दुखियारी शरण तिहारी, मैया मेरी झोली खाली
ओ आ गया बन के सवाली, ओ ऊँची मन्दिरा वालिये
ओ माँ........................

4 सुनी-2 गोद भरे तू माता, सबके कष्ट हरे तू माता
तू ही शक्ति शाली, जग में तेरी ज्योति निराली
ओ माँ.........................

~25~

आओ रे भंगता माँ को झूला झुलाये री

<u>जय माता की</u>

आओ रे भँगता माँ को झूला झूलाये री
झूला झूला के माँ को खुब रिझाये री

1 बागों में जाके कह दो, बागों की बहारों से
ऐसे छा जाये माँ मग्न हो जाए रे
आओ ....

2 आज घटाओं जरा धीरे-2 आना तुम
धीरे बरसना माँ मेरी गिली ना हो जाए रे
आओ ....

3 रेशम की डोरी डाली, सोने की पटरी डाली
पैरों के नीचे माँ के फूल बिछाओ रे
आओ ....

4 आओ रे आओ भंगतो माँ को सजा दे हम
हरी साड़ी माँ के अंग पहना दे हम
हीरे-मोतियों की माला माँ को पहरा दे हम
मैया के माथे पर बिंदिया सजाये रे
आओ ....

5 झूले में बैठी मैया सोलह सिंगार किए
धीरे से देना झोटा आज मग्न भये
कर देगी सबके बेड़े पार, आज मनालो रे
आओ.......................

6 मैया को झूले देख देवता मग्न भये
सारी बहारे खड़ी मैया जी के हाथ जोड़े
आज मग्न होकर गाओ रे मल्हार रे
आओ.........................

7 आज सुनेगी मैया ध्यान से देखो भंगता
आँचल पकड़ लो माँ का, मिलेगा मुरादे बच्चों
आज की घड़ी में मग्न होके गाओ रे
आओ.........................

~26~

आओ रे भंगता माँ को चुनरी चढ़ाये   री

जय माता की

आओ रे भगता माँ चुनरी चढ़ाये रे
चुनरी चढ़ा के माँ को खुब रिझाये रे
आओ........................

1 माँ की चुनरिया सितारे जड़ाओ रे
चीर मेरा दिल उसे लाल रंगाओ रे
वो तो हो जाए सारी लाल
आओ........................

2 पैरो में माँ के मेंहदी रचाओ रे
सोने की माँ को पायल पहनाओ रे
कर देगी निहाल
आओ........................

3 आओ भगतों माँ को साड़ी पहनाए रे
साड़ी में माँ के मोती जड़ाये रे
चुनरी उड़ाये माँ को लाल
आओ........................

4 आओ भगतों माँ को मुकट पहनाओ रे
मुकट पे माँ के हीरे मोती जड़ाये रे
माँ के बिंदिया लगाए लाल लाल
आओ........................

5 आज तो भगतों माँ ने तुमको बुलाया
सदा रहेगी तुम पर इसकी छाया
जो भी माँगोगे देगी आज
आओ.........................

6 माँ इन बच्चों पे दया तू कर दे
मुरादे माँ इनकी सारी पूरी कर दे
फिर तो आयेगें बारम्बार
आओ.........................

7 जो भी मंगना है अरे आज मांग ले
माँ तेरे सामने साक्षात् खड़ी रे
ऐसा मौका न आ बार-2
आओ.........................

8 माँ एक लाल तेरा द्वारे खड़ा है
झोली पसारे मैया दर पे खड़ा है
तेरे चरणों मां प्राण गवाएँ
आओ.........................

~27~

मेरी प्यारी दुर्गा जी बनी है दुल्हनिया

<u>जय माता की</u>

1 मेरी प्यारी दुर्गे जी बनी है दुल्हनिया
सज के आयेगें भोले बाबा
भगतो मिल के लगाओ जै-2 कारा
भगतो मिल के लगाओ जै-2 कारा

2 सोलह सिंगार मेरी दुर्गे ने करा है
माथे पे बिंदिया और टिकड़ा सुहाये
उसकी पायल से झूमेगी धरती
के झूम उठेगें भोले बाबा
भंगतों.....................

3 दुर्गे ने पहनी होगी लाल लाल साड़ी
उसमें लगे होगें चाँद सितारे
सूरज भी भर देगा उसमें किरणे ज्योति की
चमक उठेगें तीनो लोकां
भंगतों.....................

4 डोली सजेगी और देवता हँसेगें
आगे-2 डोली के शम्भु चलेगें
की डोली उठाने आयेगें सब मिल भगंता
भंगतों.....................

5 कैलाश पर्वत पर जायेंगी जो दुर्गे
भोले उठा देगें दुर्गे का घुंघट
दुर्गे के हँसने से झूमेगी नथनिया
के छा उठेगें भोले बाबा
भंगतों.....................

6 नवरात्रों के दिन यहाँ दुर्गे को बुलाउँगा
स्नान कराके और गहनों से सजाउँगा
लेने आयेगें भोले बाबा
भंगतों.....................

~28~

ओ मैया हम तो खो गये तेरे ध्यान में

जय माता दी

ओ मैया हम तो खो गये तेरे ध्यान में
जाने तुझ को खबर कब होगी
मैनें भी ध्याया, इसने भी ध्याया
ध्याये तुझे संसार
ध्याके-2 बने दिवाने, पर तुने हमे बिसराया
ओ मैया ....

1 नारियल चढ़ाये, फूल चढ़ाये और चढ़ाये पान
तेरे भवन में बैठ के मैया
गाये तेरे गुण गान
ओ मैया ....

2 सेवा में तेरी ये सब बच्चे
खो गये सुध बुध भूल
जब आई माँ इनकी बारी
इनको गई तू भूल
ओ मैया ....

3 ब्रह्मा ध्याये, विष्णु ध्याये
ध्याये तुझे महेश
अरी इतनी खुशी दे, इन बच्चों को
ध्याये तुझे हमेश
ओ मैया ....

4 मेवा चढ़ाये, नारियल चढ़ाये और चढ़ाये पान
अरी आज माँ को बात सुनाउँ
खोल के सुन ले कान
ओ मैया ....

5 तेरे लिये माँ झोलियाँ फैलाए
सुने हजारों बातें
अरी इतनी भर दे झोलियाँ इनकी
अरी रोज करे जगराते
ओ मैया ....

6 सुनते-2 कान पके माँ
अब ना हो बरदाश्त
अब ना करना देर तू माँ
कही टूट ना जाए आस
ओ मैया ....

7 अरी जो भी हम आस लगाएँ
वही टूट ना जाये
ऐसी ना हो री मैया,
धीरज ही टूट जाएँ
ओ मैया ....

8 माँ तेरे लाल है सारे दुखिया
अब तो कर दे सुखिया
अरी जितने सुख हो इस दुनिया में
कर दे उतने सुखिया री
ओ मैया ....

9 अरी बहुत हो गया मैया
अब तो है तेरी बारी
लाल को मेरे तू सुख दे दे
जाउँ तेरी बलिहारी
ओ मैया ....

10 अब तक मैया तूने बिसराया
हमने ना छोड़ी आस
अरी सारे दु:खड़े दूर करेगी
लगी है मन में आस
ओ मैया ....

11 अपने लिये माँ कुछ ना माँगू
दे दे लाल को मेरे
इतने सुख तू इनको दे दे
अरी गाये सदा गुण तेरे
ओ मैया ....

12 हाथ जोड़ कर विनती करूँ
अरी और करूँ अरदास
अब तो तू कृपा ऐसी करियो
रहूँ सदा तेरे पास
ओ मैया ....

13 है एक विनती लाल की तेरे
सुन ले बैठ के पास
अगर भर गया दिल तेरा
तो चले जाये सब साथ
ओ मैया ....

दीनों की दयालु है मेरी अम्बे मैया

<u>जय माता दी</u>

दीनों को दयालु है, मेरी अम्बे मैया
जग प्रति पाली है, मेरी अम्बे मैया
दीन दु:खी को करती है प्यार
गरीबों की नैया लगाती है पार
बड़ी मेहँरा वाली है, मेरी अम्बे मैया
दीनों की ....

1 महिमा है माँ की अपरम्पार
जान सका ना इसे संसार
उँचे भँवना वाली है, मेरी अम्बे मैया
दीनों की ....

2 लाखों को माँ तूने तारा
मेरी बारी क्यों बन्द द्वार
मुझको भी पार उतार, मेरी अम्बे मैया
दीनों की ....

3 पूत – कपूत मां हा तेरे
चरणों में लगाये है डेरे
बालक की माता है, मेरी अम्बे मैया
दीनों की ....

~30~

ध्यान छोड़ो सारे तुम लौ के लगाओ

<u>जय माता दी</u>

ध्यान छोड़ो सारे तुम लौ को लगाओ
कटरे वाली मैया जी, से ध्यान लगाओ
भक्ति से अपनी माँ को मनालो तुम
दर पे शिश तुम अपना आके झुका लो तुम
सुन लेगी ये दु:खड़े सारे
ध्यान छोड़ो ....

1 पूजना है तो ध्यान से पूजों तुम
कलियुग में भवना वाली
दाती कहलाओ तुम
ध्यान छोड़ो ....

2 दर पे आए जो सवाली माँ
जाए वो कभी नहीं खाली माँ
तू है सच्ची -2 भरती है झोलियाँ
ध्यान छोड़ो ....

3 दुनियाँ है यह मोह जाल माँ इसको तो तोड़ना
इसमें मेरी ओ मैया फंस ना जाऊ
उधर ध्यान देना, इधर मैं हूँ बेटा तेरा
ध्यान छोड़ो ....

4 तेरे नाम की माला जपेगें
भवसागर से पार तरेगें हम
तारना मुझे भी भवसागर से पार
ध्यान छोड़ो ....

5 मेरे सर पे है, पापों की गठरी माँ
उठाने से ना मुझ से उठती है माँ
मैं हूँ पापी बहुत, में हूँ अधर्मी बहुत
धाम अपने लेना माँ
ध्यान छोड़ो ....

~31~

ओ मैने डालिया है कटरे बीच डेरा

<u>जय माता दी</u>

1 ओ मैनें डालिया है कटरे बीच डेरा
तू अनीगल दस दातीए
कोई तनू वैष्णों कहे, कोई तनू ज्वाला दसे
कोई तनू कालिए, मैं भी हूँ तेरा एक दास
तू अनीगल.................................

2 लाल – 2 साड़ी तेरी, लाल – 2 चोलिए
लाल – 2 बिन्दीं तेरी, लाल – 2 महेन्दीए
ओ तेरे चरणों के बीच रहे मेरा धाम
यही है अरदास दातीए
तू अनीगल.................................

3 द्वार भी सच्चा तेरा, नाम भी सच्चा है
तू ही वो सच्ची मैया, धाम भी सच्चा है
ओ आके दर्शन दे दे मैया
यही है अरदास दातिए
तू अनीगल.................................

4 कोई तनू अन्नगूर्णा दसे
कोई तनू मन्सा दसे
ओ मेरी बारी करी क्यों आनी देर
तू अनीगल ....

5 तीनों लोक में डंका बाजे
हो रही माँ तेरी जै – 2 कार
ओ मेरी इच्छा तू करदे पूरी
तू अनीगल ....

6 आया जो भी द्वारे तेरे, फैला के झोली
भर दी है उसकी मैया खाली झोली
यही है अरदास दातिए
तू अनीगल ....

~32~

आओ भगत्तो आओ माता के गुण गाओ

जय माता दी

आओ भगतों आओ, माता के गुण गाओ
और बजाओ तालियाँ, के दर्शन करते हैं
ऐसे नसीबों वालियाँ
के दर्शन ....

1 उँचे भवन है माँ का कैसा निरालिया
ऊँचे – 2 पर्वत पे रहने तू वालिया
के भवन पर है चढ़ी हैं फूल पत्तियाँ
के दर्शन..................................

2 रूप तेरा माँ सबसे निरालिया
लीला है तेरी अपरम्पारियाँ
के इस दर का मैं आया बन भिखारिया
के द्वारा है तैरा सच्चा जोता वालियाँ
के दर्शन..................................

3 सर पे माँ के मुकट पहनाओ
माथे पे माँ के बिन्दिया लगाओ
अखियीं बीच माँ के कज़रा पादो
आज मेरी माँ को नजर ना लगाना
के दर्शन..................................

4 गले में माँ को हार पहनाओ
हरी – 2 माँ को साड़ी पहनाओ
हाथों में माँ के कंगन पहनाओ
के खनक उठेंगे तीनों लोकियाँ
देवता ये कहेगें चलो देखी आए
कि काली रूप आज हम तो निहार आए

5 कमर में माँ के तगड़ी पहनाओ
पैरों में माँ के पायल पहनाओ
के छम – 2 सुन तेरी पायल की झूमेरो
के तेरे दर पर आए आज बैठे हैं माँ, के दर्शन ....

जै बोलो जगदंबे की जय बोलो

जय माता की

जय बोलो जगदंबे की जय बोलो ... 2
क्या दुष्टों की हिम्मत और क्या दुष्टों की ताकत
जो नजर मिलाये मेरी से
जय बोलो ....

1 पाँच अक्षरों का है नाम, सीधा - सादा ले लो
जय माता की कह के भक्तों, पाप तुम अपने धो लो
ज - से बनी है जननी मैया
य - से यमनी बनी है
माँ - से महारानी कहते
ता - से तारने वाली
की - से बनी है भगतों मेरी माँ कल्याणी
जय बोलो ....

2 आठ भुजा माँ की है, देखो करती सिंह सवारी
आगे लंगूर वीर चलत है, भैरों चँवर करत है
इस मूरत को देखो भगतों, छवि है कैसी निराली
जय बोलो.............

3 तेरे द्वार पे आए हैं, हम सब बन के माँ सवाली
द्वार है तेरा संच्चा मैया, जाये ना कोई खाली
जय बोलो ....

माँ को मनाने आज चले है

जय माता की

माँ को मनाने आज चले है
भगताँ माँ के द्वारे

1 जय - 2 अम्बे माँ जगदंबे 2
सुआ - 2 चोला लिए हाथ नारियल लिए, साथ मेहंदी लिए हाथ फूल लिए
पाँचों मेवा वह साथ में लेकर, आए माँ के द्वारे
आज तो भेंट कबूल माँ करेगी, खड़े दर पर सारे
जय - 2 अम्बे ....

2 माँ का भवन निराला, बैठी ऊँचे माँ पहाड़ाँ
वहाँ का अजब नजारा, भगत लगाए जै - 2 कारा
चढ़ते - 2 भगता सारे, जय कारा है लगाते
माँ के द्वारे पहुँच के पहले, बाण - गंगा में नहाते
बाद में गुफा के अंदर, माँ के दर्शन पाते
जय - 2 अम्बे ....

3 तेरा दास ये मैया, खड़ा द्वार तेरे
कर दे पूरी माँ मुराद, आया तेरे दर पे
दर पे आया जो भी सवाली, गया ना मैया खाली
आके अपने हाथ से आज, भर दे माँ झोली
जय - 2 अम्बे.............

~35~

एक दिन वो भोला भण्डारी

जय माता की

एक दिन वो भोला भण्डारी, बनके गोपीका नारी
गोकुल में आ गए है ....

1 पार्वती भी मनाके हारी, ना माने त्रिपुरारी – 2
पार्वती से बोलेए मैं भी चलूँगा, तेरे संग में
राधा संग श्याम नाचे मैं भी नाचूँगा, तेरे संग में
रास रचेगा वृज में भारी, मुझे भी दिखाओ प्यारी
गोकुल में आ गए है ....

2 ओ मेरे भोले स्वामी, कैसे ले जाऊँ अपने संग में
मोहन के सिवा वहाँ कोई पुरुष, ना जाए रास में
हंसी करेगी वृज की नारी, मानो बात हमारी
गोकुल में आ गए है.............

3 ऐसा बना दे मुझे, जाने ना कोई इस राज को
मैं भी सहेली तेरी, ऐसा बताना वृजवास को
लगा के बिंदियाए पहन के साड़ी, चाल चले मतवाली
गोकुल में आ गए है........

4 हँस के उमा ने कहा, बलिहारी जाऊँ इस रूप में
एक दिन तुम्हारे लिए, आए मुरारी इस रूप में
मोहिनी रूप बनाया मुरारी, अब है तुम्हारी बारी
गोकुल में आ गए है.............

5 देखा मोहन ने जब, समझ गए सब बातो
ऐसी बजाई बंशी, सुध-बुध भूले भोला नाथ रे
सिर से जब खिसक गई साड़ी, मुस्काए गिरधारी भोले शरमा गये है
गोकुल में आ गए है.............

6 दीन - दयालु तेरा, तब से गोपेश्वर हुआ नाम रे
ओ मेरे भोले बाबा, तेरा वृंदावन में धाम रे
तेरा दास कहे त्रिपुरारी, रखियो लाज हमारी
गोकुल में आ में आ गए है.............

~36~

तुझ सी दयालु मैया नहीं मेरा कोई और

<u>जय माता की</u>

तुझ सी दयालु मैया, नही मेरा कोई और
तेरे दर के सिवा माँ नहीं मेरा कोई ठौर

1 रूप गजब तेरा, शान निराली
सिंह सवारी तेरी, महिमा है आली
मन भावन है छवि माँ, तेरी है चितचोर
तेरे दर ....

2 भक्ति ना जानूँ मैया, जानूँ ना पूजा
इतनी ही जानूँ मैया, तुम बिन ना दूजा
ढीली ना पड़े माँ, ये ममता की डोर
तेरे दर ....

3 तेरी आशा मैया, तेरी ही भरोसा
दे दे वरदान सबको, तू चाहे जैसा
मर्जी तेरी जैसी, ना बालक का कोई जोर
तेरे दर ....

~37~

मैया री मैया तेरी भक्ति कैसी

<u>जय माता की</u>

मैया री मैया, तेरी भक्ति कैसी
ध्याये जो जैसा, मिले मुक्ति वैसी
मैया ....

1 तुझ को ही माँ ध्याने वाले, तेरे ही गुण गाते
तेरे मन्दिर में आके माँ, तुझ को शीश नवाते
मिले जो हम को दर्शन तेरा, तो तर जाये सारे
मैया ....

2 ऊँचे - 2 पर्वत पर तू है रहने वाली, सिंह सवारी तेरी मैया है बड़ी प्यारी
हँसती रहती देखो हरदम, भवनाँ वाली,
मैया ....

3 लाल तेरा माँ तुझे पुकारे आजा भँवना वाली
आठ भुजा है तेरी दाती, सर पर मुकट विराजे
आगे लंगूर पीछे भैरों, हर दम साथ है जाते
कहीं पर काली चण्डी बनी, कहीं पर वैष्णों माई
मैया ....

मुझे दर्शन दे गई माँ कल रात सोते - 2

जय माता कि

मुझे दर्शन दे गई माँ कल रात सोते - 2
फिर बीती रात माँ से बात होते - 2

1 मुझे याद है अभी भी, वही रात का नजारा
माँ सामने खड़ी थी, अमास होते - 2
मुझे दर्शन ....

2 जैसे सामने है मूर्त, बस ऐसा रूप था उसका
मैं तो चरणों में पढ़ा था, यू निहाल होते - 2
मुझे दर्शन ....

3 मुझे गोद में बिठाया और प्यार से माँ बोली
क्यों तू अब भी रो रहा है, मेरे पास होते -2
मुझे दर्शन ....

4 वो गीले वो सारे शिकवे, जो जरा मैं मां से कहता
सब भूलते ही जाते मुझे याद होते - 2
मुझे दर्शन ....

5 जिसे जिंदगी न चाहा, और दिल से माँ को पूजा
वो झलक दिखा गई थी, सुप्रभात होते - 2
मुझे दर्शन ....

~39~

मैया शेरांवाली की सब पे मेहर है

<u>जय माता की</u>

मैया शेरांवाली की सब पर मेहर है
उसकी अनोखी माया की जग में लहर है

1 कोई कहे काली, ओ कोई दूर्गे माता
मेरी नैया की माँ तुम्ही हो रही रिववैया
मैया ....

2 ऊँचे - 2 पर्वत पे मैया तू है बैठी
जग की करे रखवाली मैया बैठी - 2
छाई जग में ज्योति, तेरी अमर है
मैया ....

3 बन के भिखारी तेरे, दर पे मैं आगया
मुँह से माँगी मुरादे, तेरे दर पे पा गया
बालक की तू माता है, ओ देती मुझे प्यार है
मैया ....

~40~

तैयारी कर लो द्वार की अब चलो – 2

<u>जय माता की</u>

तैयारी कर लो द्वार की अब चलो – 2
माँ के द्वारे पे सब कुछ मिल जायेगा
तैयारी ....

1 सुआ –2 चोला ले लो, और नारियल ले लो हाथ
हाथ में थाली ले कर, रोली महन्दी रख लो साथ
पाँचों मेवा के साथ माँ, माँ की भेंटा गाओ
तैयारी ....

2 लाल गुलाब और लाल चुनरिया, ले लो अपने साथ
लाल है माँ का मन्दिर
उस पर ध्वजा फहराओ लाल, लालों माथे पर माँ के लाल बिंदिया लगाओ
तैयारी ....

3 पाँच सुपारी पाँचों मेवा, पाँचों फल ले हाथ
पाँच परमेश्वर आए हुए हैं आज, देखो माँ के द्वार आज
माँग लेना माँ से जो भी
तैयारी ....

4 माँ के भवन का भगतों देखो नजारा, ऊँचे पहाड़ा माँ का भवन निराला
चढ़ते – 2 लगाना माँ का जै – 2 कारा
तैयारी ....

5 आज बुलाया भक्तों माँ ने, जोग माया ने अपने पास
आज बुलाया भगतों माँ ने, शीतला ने अपने पास
माँ जोग माया बैठी बीच महरोली, जो बसे कुतुब के पास
माँ शीतला बैठी बीच कालका जो बसे, मदनगीर के पास
सारे भगतों चलो माँ के गुण गाएगें
तैयारी ....

6 द्वारे तेरे आए माँ, मन में ले के आस,
आज सुनेगी हमरी ये लगी है मन में आस
दे दो हमें माँ हमारी मुरादे सारी
तैयारी.............

~41~

ओ री मैया भवना वाली अजा री आजा

जय माता की

ओ री मैया भवना वाली, आजा री आजा
दर पे तेरे हम खड़े हैं विनती सुन लो आज

1 अब सहारा दे दो हमको
पूरी कर दो आस माँ
छोड़ कर दुनिया को सारी, आजा री आजा
ओ री ....

2 प्यार गर तेरा मिले, तो जिंदगी आसान है
बिन तेरे माँ जिंदगी तो यह मेरी वीरान है
पूरी कर दो मेरी आशा
ओ विनती करूं भवना वाली
ओ री ....

3 तुम तो बैठी भवन में माँ, हम तो तेरे से दूर
अब तो आजाओ मेरी मैया, हम बड़े मजबूर हैं
इतनी सी फरियाद मेरी आज री आजा
ओ री ....

~42~

माँ के बच्चे माँ के गुस्से से डरियो

जय माता की

1 माँ के बच्चे माँ के गुस्से से डरियो
गर हो जाए कोई गलती, माँ से माफी मांग लीजो
मैं माँ को ही ध्याऊँगा तू देखता रहीयो
माँ के ....

2 माँ है मेरी भोली-भाली, उसे नाराज मत करियो
माँ को मना ले भगता, प्यारे माँ की शक्ति से डरियो
माँ के ....
मैं माँ को ही ....

3 माँ को मना ले भगता, मैया शेरावाली है
आज देगी सब को मुरादे, मैया मेंहरा वाली है
मैं माँ ....

4 जिसने ध्याया उसी ने पाया, मैया मेंहरा वालिये
आज ध्यालो माँ के भगता, मैया करती जग रखवाली है
मैं माँ ....

5 गर तू मैया को ध्यायेगा, तो सारी मुरादें पायेगा
अरे माँ है हमारी भोली - भाली, उसका प्यार पा लीजो
माँ हैं मेंहरा वाली उसकी शक्ति से डरियो
मैं माँ ....

6 गर प्यार तू पा जायेगा, तो सारी मुरादें पा जायेगा
जब आए माँ मन्दिर में, माँ के दर्शन पा लीजो
मैं माँ ....

7 माँ के द्वारे जाएगा, तो झोलियाँ भर के लायेगा
गर हो जाये मुराद पूरी, इतना कारज कर दीजो
अरे पाँच सुपारी, ध्वजा नारियल
भेंट तू चढ़ा दीजो
मैया है ....
मैं माँ ....

8 ये पापियों को मारे है, दुष्टों को संहारे है - 2
ये दुष्टों को मार के भगतों जग खुशहाल बना
अरे मेरी माँ से डरियो, भगतों मेरे कोई पाप ना करियो
मैया है ....
मैं माँ.............

9 अरे लाल यह तेरे दर पर आया है, कुछ मन में मुरादे लाया है
आज यह लेकर, तेरे दर पर श्याम आया है
अरे आज तो मैया, लाल की मुरादे पूरी कर दीजो
मैया मेंहरा ....
मैं माँ ....

दर्श दुर्गे माँ आकर दिखा दोगी तो क्या होगा

जय माता की

दर्श दुर्गे माँ आकर के दिखा दोगी तो क्या होगा
ये प्याला प्रेम का हम को
पिला दोगी तो क्या होगा

1 पड़ा संसार सागर में, भूलाया माँ नाम तेरा
समझ कर दास चरणों का, बना लोगी तो क्या होगा
दर्श ....

2 मैं पापी हूँ, दुष्टि हूँ, घमंडी हूं, अधर्मी हूँ
अगर इन पाप दोषों से बचा लोगी तो क्या होगा
दर्श ....

3 वर्ष कई हो गए मैया तुम्हारी इन्तजारी में
गले अपने से आकर के, लगा लोगी तो क्या होगा
दर्श ....

4 पड़ी मझदार में नैया भरोसा मैया है तेरा
किनारे नाव को मेरी लगा दोगी तो क्या होगा
दर्श ....

दीवाने है दीवाने हम तेरे अंबे माँ

जय माता की

दीवाने हैं दीवाने हम तेरे अम्बे माँ, तेरे अम्बे माँ
मेंहर की नजर हम पे कर अम्बे माँ, तू कर अम्बे माँ

1 मेरा सारे जग में है कोई नहीं, माँ कोई नहीं
तुम्ही मेरी मैया, तुम्ही लक्ष्मी, तुम्ही लक्ष्मी
हम आये बेसहारे तेरे दर पे अम्बे माँ
मेंहर ....

2 जिसे सारे जग ने ठुकरा दिया माँ ठुकरा दिया
उसे भी सहारा तूने दिया माँ तूने दिया
इसी से सभी दाती तेरे गुण गाये माँ, गुण गाये माँ
मेंहर ....

3 तेरी जाते को जिसने पूजा है माँ - 2
तेरी ज्योत को अकबर ने भी पूजा माँ - 2
अभिमानी भी झुकाये सर तेरे दर पे माँ, तेरे दर पे माँ
मेंहर ....

4 माँ भंडारा तेरी खुशियों से भरा - 2
सभी का तू दाती करती भला - 2
मेंहर ....

5 तेरे दर पर आए सवाली जो माँ, सवाली जो माँ
तेरे बिन झोली खाली है माँ, खाली है माँ
मेरे को गले से लगाओ मेरी माँ
मेंहर ....

~45~

अब चाहे घर छूटे या दुनिया

जय माता की

1 अब चाहे घर छूटे या दुनिया
मैंने तेरी पूजा कर ली 2
मैंने शाम-सवेरे पूजा कर ली
चाहे कुछ भी हो, कुछ भी हो
कर ली सो कर ली
अब चाहे ....

2 तेरे रंग में खुद को रंगाना
तेरे दर का हुआ मैं दीवाना
सारी दुनिया को दाती भुला कर
तेरे दर पर मुझे मर जाना
खाना- पीना भुला तेरी धूनि रमा
साँस जब तक रहे ना रहे, नाम लब पे रहे
अब चाहे ....

3 एक सुंदर सा मंदिर बना के
दाती उसमें तुझको बिठा के
तेरे दर पर सितारे सजा के
चांद-सुरज का पहरा लगा के
रात-दिन बैठ कर
पल व क्षण बैठ कर
तुझ को मन में बसा कर
दिल से ध्यान लगा -2
अब चाहे ....

4 हीरे मोती के थाल जड़ा के
उसमें आरती तेरी सजा के
मेरी जिद है यही, तुझ को पाके रहूँ
तुझ को पाने के बाद, खुद रहूँ ना रहूँ
अब चाहे ....

5 दाती शेर पर आई है और चल दी
कहा मैंने रुको क्या है जल्दी
तेरी मुद्दत से मैं हूँ पूजारी
तूने फिर क्यों निगाह बदल ली
सारे दर छोड़कर अपना घर छोड़ के
मैं चरणों में पड़ा माफ कर दो खता
अब चाहे ....

कच्चे - २ चावल खा गई नी माँ

<u>जय माता की</u>

कच्चे - कच्चे चावल खा गई नी माँ, एक देवी पहाड़ा वाली
जय हो एक देवी पहाड़ा वाली

1 भगता ने पूछया कि तेरा बाना
सुआ-2 चोला दिखा गई नी माँ
एक देवी ....

2 भगता ने पूछया नाम की है तेरा
शीतला माँ बतला गई नी माँ
एक देवी ....

3 भगता ने पूछया कित्थे तेरा रहना
कटरा नील बतला गई नी माँ
एक देवी ....

4 भगता ने पूछया कि तेरा खाना
गिरी के छुआरे खा गई नी माँ
एक देवी ....

5 भक्ता ने पूछया काम की है तेरा
बच्चे नू तारन आ गई नी माँ
एक देवी ....

6 भगता ने पूछया कि तेरी सवारी
खोते सवारी दिखा गई नी माँ
एक देवी ....

~47~

कर बैठे इकरार मैया भवनाँ वाली से

जय माता की

कर बैठे इकरार मैया भवना वाली से, कहनी थी एक बात मैया काली से

1 माँ जब-2 ध्यान धरु, तुम सामने मेरे होना
बस तेरी छवि दिखलाये, इस दिल का कोना - 2
दर्श भवना वाली के
कर बैठे ....

2 माँ सुने जगत के ताने, और तुमसे प्रीत बढ़ाई
सब छोड़ के दुनिया धंधे, एक तेरी लगन लगाई
लगन भवना वाली से
कर बैठे ....

3 माँ जब कोई गलती करूं मैं, तुम उसे माफ कर देना
माँ ध्यान कभी ना लाना, बस दिल से तुम क्षमा कर देना
मैया भवना वाली से
कर बैठे ....

4 माँ तेरे रंग में रंगे हैं हम, आज बने दीवाने
और तेरी शमा के मैया, हम आज बने परवाने
दीवाने भवना वाली के ....
कर बैठे ....

5 माँ जब कोई माँग करूँ मैं, ऐ मैया मुरादे देना
मेरी लाज ना जाने पाये, माँ बिगड़ी तुम बना देना
कर बैठे.............

~48~

दर पे तेरे मर जायेगे हम

<u>जय माता की</u>

दर पर तेरे मर जाएंगे हम, या दर्श तुम्हारा कर लेंगे
रात और दिन बैठ कर, हर पल हर क्षण बैठ कर
तेरे दर पर गुजारा कर लेंगे

1 दाती तू क्यों है खफा हम से, रूठी तू रूठा खुदा हम से
दे दे सहारा तू अब हम को, मंजिल का पता खोया हम से
तेरी नजरें करम की जो भीख मिले
मंजिल का नजारा कर लेंगे
रात और दिन ....

2 पत्थर हुआ दिल तेरा क्यों माँ, विरान है क्यों मेरा मेरा गुलिस्ताँ
खुशियों ने दामन छुड़ाया है क्यों, जीवन में मेरे क्यों छाया अंधेरा
तकदीर में गर ठोकर है
हम वह भी गंवारा कर लेंगे
रात और दिन ....

3 रहमत जो तेरी इनायत हो, फिर मुझ से क्यों माँ शिकायत हो
मेरे को तेरा सहारा मिले, हिमायत मिले,
हम अपनी किस्मत को
चमका के सितारा कर लेंगे
रात और दिन ....

~49~

में जोगन बन जाऊंगी मैया तेरे कारण

जय माता की

मैं जोगन बन जाऊंगी मैया तोरे कारण
मैया तोरे कारण ओ दाती तोरे कारण
मैं जोगन ....

1 अरी जोगन बनके तुझे रिझाऊँ, मैया कटरे वाली
मैं दासी बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

2 सोलह सिंगार मैं तेरे बनाऊँ, मैया भवना वाली
मैं चुन्री बन जाऊँगी मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

3 अरी चुन - 2 कलियाँ, बाग से लाऊँ
मैया तेरा सिंगार बनाऊँ
मैं मालन बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

4 जग - मग जग - मग जोत जगाऊँ, भवन में तेरे आके
दीवा वाती बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

5 हीरे मोती के कंगन बनाऊँ, मैया तुझे पहनाऊं
मैं नथनी बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

6 सतरंगी माँ की साड़ी बनाऊँ, तुझ को खुब रिझाऊँ
रंगरोजन बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

7 छप्पन प्रकार के भोजन बनाऊँ, मैया तुझे रिझाऊँ
मैं मिसरानी बन जाऊँगी, मैया तेरे कारण
मैं जोगन ....

8 झाड़ू - बुहारू रोज लगाऊँ, तेरे मंदिर में आके
मैं झाड़ू बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

9 तेरे मंदिर को पानी से खूब धुला
मैं पानी बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन.............

10 जो भी आवे द्वार तेरे, मन की मुरादे पावे
मैं मुराद बन जाऊँगी, मैया तोरे कारण
मैं जोगन ....

~50~

मैया के दर्शन सब को करवाऊँगा

जय माता की

मैया के दर्शन सब को करवाऊँगा
बिना पैसे माता के दर ले जाऊँगा

1 वो क्या है एक मंदिर है
इस मंदिर में एक ज्योति है
ये ज्योति क्यों कहलाती है
अंधियारा दूर भगाती है
वो क्या है ....

2 दिल्ली शहर से भगतों गाड़ी जाती है
अम्बाला पटियाला होकर जम्मू पहुंचाती है
वो क्या है जम्मू है
इस जम्मू में एक मन्दिर है
मन्दिर में यह लोग क्यों जाते हैं
रघुनाथ के दर्शन पाते हैं
वो क्या है ....

3 जम्मू शहर से मोटर जाती है
कटरे से माँ की छवि नजर आती है
वो क्या है बाण - गंगा है
बाण - गंगा का जल निर्मल है
इसमें लोग क्यों नहाते हैं
जीवन सफल बनाते हैं
वो क्या है ....

4 पहला मन्दिर चरण - पादुका का पादुका का आता
दूजा आँर्ध कुँवारी का कहलाता है
वो क्या है गर्भ जून है
गर्भ जून में भगत क्यों जाते हैं
गुफा तंग इतनी क्यों होती है
भगतों की परीक्षा होती है
वो क्या है ....

5 हाथी मत्था देख के घबराई ना
जाते बारी भैंरौं के दर्शन पाईना
वो क्या है सांझी छत है
सांझी छत में कुछ कन्जके हैं
ये कन्जके यहां क्यों आती है
भगतों को राह दिखाती है
वो क्या है ....

6 बाग मैया के अजब नजारे हैं
बोलते मुँह से जै- 2 कारे हैं
वो क्या है माँ का दरबार है
माँ के द्वारे में भगत जाते हैं
गुफा में लोग क्यों जाते हैं
तीनों पिण्डीयों के दर्शन पाते हैं
वो क्या है ....

7 गुफा के अंदर रज - 2 दर्शन पाना है
आती वारी भैरौं को शीश झुकाना है
वो क्या है एक मंडली है
इस मंडली में सब खुश रंग हैं
ये खुश रंग क्यों कहलाते हैं
मैया की भेंटा गाते हैं
वो क्या है ....

~51~

आई सिंह पे सवार मैया ओढ़े चुनरी

<u>जय माता की</u>

आई सिंह पे सवार मैया ओढ़े चुनरी
ओढ़े चुनरी, मैया ओढ़े चुनरी
आई सिंह पे सवार मैया ओढ़े चुनरी

1 अष्ट भुजी दुर्गे महारानी, जय अंबे महारानी
बड़े - 2 राक्षस संहारे, रण चंडी मतवाली
करती दुष्टों का संहारा, मैया ओढ़े चुनरी
आई सिंह ....

2 महिषासुर था महाबली, देवों को खूब सताया
छीन लिया इंद्रासन, और देवों को दूर भगाया
करी देवों ने पुकार, मैया ओढ़े चुनरी
आई सिंह ....

3 दुर्गे का अवतार लिया, झट महिषासुर संघ
दूर कर किया देवों का संकट, लीला तेरी नियारी
करते भक्त जै - 2 कार, मैया ओढ़े चुनरी
आई सिंह ....

4 जो भी जिस मनसा से, मैया तेरे द्वार आते
हर इच्छा पूरी हो जाती मन वांछित हो जाता
आई सिंह ....

~52~

आनन्द आओ री, मैया रानी के दरबार में

<u>जय माता की</u>

आनन्द आयो रे, मैया रानी के दरबार में
आनन्द आयो रे, आने वाली के दरबार में

1 बच्चे आएँ भवन सजाये, फूलों से माँ का रोज
हीरे - मोती लाल लगाये, वा रेशम की डोर
मैया रानी ....

2 मैया आएँ साड़ी पहनाएँ, नई - 2 माँ रोज
दुनिया आएँ कीमत आँकें, कीमत का है शोर
मैया रानी ....

बच्चे आएँ भोग लगाएँ, नये - 2 माँ रोज
फल मेवा, पकवान मिठाई, बीड़ो का है जोर
मैया रानी ....

4 भैया आये गहने पहनाएँ, नये - 2 माँ रोज
तेरी छवि पर वारी जाएँ, बंधे प्रेम की डोर
मैया रानी ....

5 बच्चे आएँ साज बजाये, नये- 2 माँ रोज
चिमटा बजाये घुंघरू बजाये, झांझर बजाये
मटका बजाये, ढोलक का है शोर
मैया रानी ....

6 मैया आएँ भेंटा गाएँ, नई - 2 माँ रोज
ताली बजाये, ठुमका लगाये, कैसा है
मैया रानी ....

7 भगत आएँ मुरादे पावें, नई - 2 माँ रोज
भर-2 झोली वो ले जाये, जिसका कोई ना मोल
मैया रानी ....

~53~

देखो सावन की आ गई बहार

जय माता की

देखो सावन की आ गई बहार, मैया तेरे झूले पड़े

1 काहे की डोरी, काहे की पटरी
कहाँ तो डाले झूला आज
मैया ....

2 रेशम की डोरी, सोने की पटरी
बागों में डाले झूला आज
मैया ....

3 कौन तो झूले कौन झूलावे
कौन तो गावें मल्ल्हार आज
मैया ....

4 मैया जी झूले लाल झूलावे
मैया जी तो गावें मल्ल्हार आज
मैया तेरे.............

5 कौन तो गावें कौन तो नाचे
कौन बजावेगा साज आज
मैया ....

6 भगत गावें, मैया जी नाचे
बच्चे बजावेगें साज आज
मैया ....

7 मैया जी झूले पर बैठी
पड़ने लगी तो फुहार आज
मैया ....

8 इतने में आ गये भोले बाबा जी
होने लगी तेरी जै - 2 कार आज
मैया.............

9 भोले बाबा जी झूलन को मचले
छोटे दिए हमने चार आज
मैया ....

10 मैया बाबा जी जब झूलन लगे
जोड़ी पर बलिहारी जाऊं आज
मैया ....

~54~

तेरे दर पर आकर मैया हा आज तुम्हारे हो बैठे

<u>जय माता की</u>

तेरे दर पर आकर मैया
हम आज तुम्हारे हो बैठे
पाने की आशा से आए थे
हम चैन भी अपना खो बैठे

1 मुझे दुनिया में कोई दुख नहीं है
है फूला - फला परिवार मेरा
क्यों आँख में आंसू भरते हो
क्यों हाल पर अपने रो बैठे
पाने की ....

2 किस्मत मेरी तो अच्छी है
यह सारी दुनिया कहती है
यह दर्द कहाँ से आन मिला
हम जाने - बेजाने हो बैठे
पाने की.............

3 काया तो मेरी निर्मल है
मन उससे ज्यादा पावन है
क्यों पीडा दिल में होती है
क्यों आज दीवाने हो बैठे
पाने की.............

4 माँ जब से यह दर्द मिला
हम खोए - 2 रहते हैं
दुनिया भी नफरत करती है
अपने भी बेगाने हो बैठे
पाने की.............

5 हम प्यार में तेरे भूल गये
दुनिया दारी के सब बंधन
माँ मिलने की बस चाह रही
हम लाज भी अपनी खो बैठे
पाने की............

मैया बैठी आन हदय में, मोसे रुप लखा

जय माता की

मैया बैठी आन हृदय में
मोसे रूप लिखा नहीं जाए

1 जग मग जोत जग गई अन्दर
खुल गये पट मेरे घट के अन्दर
अखियाँ झप - 2 जाए
मोसे रूप ....

2 बोली तो माँ की बड़ी मधुर है
सुन - 2 मन हरषाये
मोसे रूप ....

3 कंचन वरण सोहे तन माँ का
रूप निराला अद्भुत प्यारा
देख - 2 हरषाये
मोसे रूप.............

4 लाल - 2 है साड़ी बड़ी प्यारी
सलमा सितारे गोटा किनारी
चमक - 2 चमकाए ....
मोसे रूप........

~56~

देख लो माँ की अदालत

जय माता की

देख लो माँ की अदालत
आज दावा हो गया 2

1 आज दावा माँ तुम्हें अपना बनाने के लिये
आज दावा माँ तुम्हारा प्यार पाने के लिये
मिल गया मुझ को इशारा
ये सहारा हो गया
देख लो ....

2 भेज दी है मैने अर्जी
आज तुम्हारे दरबार में
लिख दिया हाल अपना ए साफ - 2 बात में
ध्यान से जब माँ ने पढ़ा
मैं दिवाना हो गया
देख लो ....

3 प्यार से माँ ने बुलाया
और बिठाया पास में
स्नेह से जब हाथ फेरा
और लिखवाया बाद में
आज तू मेरी शरण में है
ऐसा निर्णय हो गया
देख लो.....................

4 आज दुनिया की यह ताकत रोक सकती है नही
जीत गये है मुकदना बात है सच्ची यही
छोड़ दुनिया संग सारे ए आज माँ का हो गया
देख लो......................

5 ब्रह्मा तेरी चाल तो अब कोई ना चलने पायागी
आज तो होगा वही जो माँ हमारी चाहेगी
खिल उठी तकदीर मेरी ए खुशनुमा सुखनुना सब हो गया
देख लो......................

6 दावा है संसार का सम्पत्ति पाने के लिये
मेरा दावा माँ तुम्हारे पास आने के लिये
छूटेगी सम्पत्ति यहाँ पर ए पास जाना हो गया
देख लो......................

~57~

मैया ते बैठी आन भवन में हमने तो आँचल पकड़ लिया

<u>जय माता की</u>

मैया तो बैठी आन भवन में
हमने तो आँचल पकड़ लिया
चरणों में इसके रहना मुझको
मैंने तो ऐसा ठान लिया

1 चाहे मारो चाहे दुत्कारों
छोड़कर तुमको न जायेगें
ऐसा निश्चय मेरा है
बस ऐसा मैनें ठान लिया
मैया ....

2 जन्म – 2 मुझको भर माया
कभी ना अपने भेद दिया
कभी फसा धन के चक्कर
कभी तो रूप अपार किया
कभी परिवार की मोह माया
तुमने मुझको बांध दिया
मैया ....

3 कभी बानाया गृहस्थी तुमने
कभी जोगी का भेष दिया
जंगल . 2 भटकने पर ये
ना कभी संकेत दिया
आज हुआ मन चेतन मेरा
मैंने तुम्हें पहचान लिया
मैया ....

4 कभी धर्म के आडम्बर में
झूठा मुझको ज्ञान दिया
कभी मिली दुनिया की रौनक
कभी तो दुःख अपार मिला
दुःख सुख दोनो के बन्धन से
आज मेरा मन पार हुआ
मैया.......................

5 प्रीत प्रीति जब बनी मन में
एक अनोखा रंग जमा
मैया सिंहासन पर बैठी
चरणों में मैं उसके पड़ा
आँसू प्रवाह चला बस
फिर तो चरणों के माँ का पखार लिया
मैया ....

6 माँ तो रोता देख सके ना
गोदी में मुझे उठा लिया
बहुत दुलारा और पुचकारा
हदय से मुझे लगा लिया
माँ बच्चे का प्यार अनोखा
आज तो मैनें देख लिया
मैया ....

7 तन पुलकित तब हुआ हमारा
जब माँका स्पर्श मिला
सुध . बुध सारी खो बैठे
हमें तो माँ से अलौकित प्यार मिला
जन्म . मरण का बन्धन छूटा
जब से मां का संग मिला
मैया ....

मेरी ज्योताँ वाली माँ, मेरी लाटाँवाली माँ

जय माता की

मेरी ज्योताँ वाली माँ, मेरी लाँटा वाली माँ
आये - 2 तेरे दरबार आये
मेरी जोता ....

1 तेरे भवन को सजा के
हीरे - मोती लाल लगा के
मन - मन्दिर में तुमको बिठा के
पूजा करूँ मैं निश - दिन आके
अब तो तुम ही लगाना पार
मैया आ गये तेरे दरबार
आये - 2 तेरे हम दर आये

2 तेरा दर माँ कितना प्यारा
इसमें गुजारूँ जीवन सारा
हर पल तेरी जोतजले माँ
अब तो दे दो हमको सहारा
छोड़ के आए सारा संसार
मैया आ गया तेरे दरबार
आये - 2 तेरे हम दर आये

3 तेरे दर पे जो आये सवाली
आके ना जाये कोई भी खाली
भर - 2 झोली वो ले जाए
तेरी है माँ शान निराली
तेरी महिमा अपरम्पार
मैया आ गये तेरे दरबार
आये - 2 तेरे हम दर आये

जागो दुनिया वालो माँ भवनों वाली आ गई

जय माता की

जागो दुनिया वालों माँ भवना वाली आ गई
भक्ति का मार्ग दिखाने वाली आ गई

1 सोते – 2 जीवन बीता तुम ए अब जागन की वारि है
जगराते में आ बैठो तुम ए पुरी ही तैयारी है
अमर ज्योति दिखाने वाली आ गई
जागो दुनिया ....

2 दुखियों के मन आशा बड़ी थी
भवना वाली आयेगी
कष्ट हमारे हर लेगी ए ये मन की मुरादे लायेगी
दुखियो को खुशहाली देने वाली आ गई
जागो ....

3 तेरी मेरी क्यों करते हो
ये सब माँ के बच्चे हैं
अपने – 2 मार्ग पे तो सारे ही सच्चे है
एकता का दीपक जलाने वाली आ गई
जागो ....

4 मुझे ना आडम्बर और धोखा यहाँ दिखता है
माँ बच्चों का प्रेम अनोखा
केवल यहाँ पर मिलता है
प्रेम का संदेशा सुनाने वाली आ गई
जागो ....

5 बिछड़ गये थे हम मैया से
जग में ठोकर खाते थे
अपनी खोटी किस्मत पर
हम रो - 2 कर पछताते थे
बिगड़ी हुई किस्मत बनाने वाली आ गई
जागो ....

~60~

जब लगन माँ से लगा ली जायेगी

जय माता की

जब लगन माँ से लगा ली जायेगी
खाक इस दुनिया पर डाली जायेगी

1 कह दो मुल्लहा ए मौलवियों और पीर को
पुजूगाँ मैं मैया की तस्वीर को
आँख मैया से लगा ली जायेगी
जब लगन ....

2 अपसराये मेरे नहीं कुछ काम की
माँ है मेरी ए मैं हूँ प्यारी मात की
खोपड़ी चरणों में डाली जायेगी
जब लगन ....

3 दिल की दौलत खो चुके यहाँ आन कर
खोज अब माँ की लगा ली जायेगी
जब लगन ....

4 क्यों सताते हो यू ही मर जायेगें
दिल जलों की आह से मिट जायेंगे
ये दुआ हरगिज खाली ना जायेगी
जब लगन ....

माँ तेरी बाँकी अदा के भागे चले आते हैं

जय माता की

माँ तेरी बाँकी अदा के मारे भगे आते है
माँ बोलो चाहे ना बोलो, तुम्हारी मर्जी है
पर देना दर्श तुम हमको, हमारी अर्जी है
माँ ....

1 माँ कर के सोलह सिंगार शेर पे आई
भक्तों की लगी है भीड़, खुशी बड़ी छाई
माँ ....

2 माँ लाल पोशाक, जरी कली देखो पहने
उसमें सलमें सितारे का काम बना है देखो
माँ ....

3 तर तेरे शीश मुकट, माथे बिंदिया लगी है सोहे
अरे तेरे नैनो का कजरा, मेरा मन है मोहे
माँ ....

4 कानों में झुमके झूमें, देख छवि बड़ी प्यारी
अरे तेरे नाक ननिया लटकन लगी बड़ी प्यारी
माँ ....

5 तेरे लग रही महन्दी हाथ बड़ी प्यारी
अरी चूडी की खनक है, सब दुनिया से प्यारी
माँ तेरी ....

6 माँ पहने जड़ाऊँ हार गले में देखो
अरे मन दे कर अपना आज मुरादा ले लो
माँ तेरी ....

7 माँ पहने है कमर में तगडी गुच्छे वाली
अरी माँ छन - 2 धन भरसाओ है झोली खाली
मा तरा ....

8 माँ पहने पैर में आज जड़ाऊँ पायल
तेरी चाल पे चित ललचाये हुए हम घायल
माँ तेरी ....

9 अरी माँ कर रही है इन्तजार बडी बेकारारी
अरे घन श्याम बजा दो आज मुरलिया प्यारी
माँ तेरी ....

~62~

भवन में आओ माँ मेरी नजारा हम भी देखगें

जय माता की

भवन में आओ माँ मेरी
नजारा हम भी देखेगें
भवन में आने वाली के सहारा
हम भी ले लेगें

1 पहन कर अंग में साड़ी, खड़ी होवेगी जब मैया
दमकने वाले मुखड़े का नजारा
नजारा हम भी देखेगें ।
भवन ....

2 लगा कर नैनों में सुरमा, खडी होवेगी जब मैया
वह चलने वाली चितवन का
इशारा हम भी देखेगें
भवन ....

3 पहन कर नाक में नथनी, खड़ी होवेगी जब मैया
हँसने वाले मुखड़े का
नजारा हम भी देखेगें
भवन ....

4 पहन कर कान में झूमके, खड़ी होवेगी जब मैया
वो हिलने वाले मोती का
नज़ारा हम भी देखेगें
भवन ....

5 पहन कर हार गले में, खड़ी होवेगी जब मैया
चमकने वाली मणियों का
नजारा हम भी देखेगें
भवन ....

6 पहन कर हाथ में चुड़ी, खड़ी होवेगी जब मैया
रचने वाली मेहन्दी का
नज़ारा हम भी देखेगें
भवन ....

7 पहन कर कमर में तगड़ी, खड़ी होवेगी जब मैया
लटकने वाले गुच्छे का
नजारा हम भी देखेगें
भवन ....

8 पहन के पैर में पायल, खड़ी होवेगी जब मैया
वो लगने वाले ठुमके का
नजारा हम भी देखेगें द्य भवन ....

9 अरे माँ प्यार में आकर, मुरादे देती हम सबको
वो लेने वालो बच्चों का
नजारा हम भी देखेगें
भवन ....

~63~

तेरा दर छोड़ के माँ केडे दर जावां

जय माता की

तेरा दर छोड़ के माँ केडे दर जावाँ
दस शेराँ वालिये नी, दस मेहराँ वालिये

1 लाया नी उड़ीकियाँ का आज, ओ माँ मै तेरियाँ
इक वारि आजा री मैया, राँता नी अन्धेरियाँ
सुन ले पुकार मेरी जग दिये दातिए
दस ....

2 प्यार जे पाया ई मैया, तोड़ निभानिया
छड़ के तू मैया सानू कदे वी ना जाँवी
लाये बैठे आस तेरी जग दिये दातिये
दस ....

3 ऊँचे पहाड़ा बैठी मेरे कोलूह दूर नी
आया ना जाये मैया, मैं ते मजबूर नी
दर्श दिखा दे आके जग दातिये
दस ....

~64~

अपनी छाया में दुर्गे बैठा लो मुझे

<u>जय माता की</u>

अपनी छाया में दुर्गे बैठा ले मुझे
मैं हूँ तेरी तू अपना बना ले मुझे

1 ना मुझे गम का गम ना खुशी की खुशी
जीयूँ जब तक यूँही आजमा ले मुझे
मैं हूँ ....

2 कोई अपना नही स्वार्थी है सभी
इसलिए तेरी माया से डरती रही
जाल माया से आकर छुड़ा ले मुझे
मैं हूँ ....

3 दिन निकलता रहा दुनिया सोती रही
दुःख पड़ता रहा और मैं रोती रही
आज आकर के तू ही चुप कराले मुझे
मैं हूँ ....

4 ण्ढूँढ़ती मै फिरी, कोई सहारा नहीं
नाव मझधार में हैं कोई किनारा नहीं
आकर नैया को पार लगा दे मेरी
मैं हूँ ....

5 आसरा देख कर आँख भी रो पड़ी
तुम ना आई यहाँ आस भी छूट गई
अपनी दासी को धीरज बँधा ले मुझे
मैं हूँ ....

~65~

जय माता की गाते चलो

<u>जय माता की</u>

जय माता की गाते चलो
प्रेम से दर्शन पाते चलो

1 पहला दर्शन कौल – कॅलौदी, मन्दिर शीश नवाओ
दूसरा दर्शन देवा माई, मन्दिर जोत जगाओ
फिर कटरे को बढ़ते चलो
प्रेम से ....

2 सखियों संग जहाँ वैष्णों खेली, यहाँ भूमिका देखो
त्रिकुट पर्वत दिखता, जहाँ से दर्शी द्वारा देखो
बाण - गंगा में नहाते चलो ....
प्रेम से.....................

3 चरण पवित्र है जहाँ पर माँ के चरण पादुका देखो
आँद कुँवारी दर्शन पाकर, गर्भ जून भी देखो
हाथी मत्थे पर चढ़ते ....

4 साँझी छत चढ़ कर भक्तों
भैरों के मन्दिर जाओ
बाहर से बस शीश नवाओ
पर तिलक ना लगाओ
माता के बाग से उतरते चलो
प्रेम से.....................

5 झंडे झूले मन्दिर दिखता, जहाँ वैष्णों रहती
चरणों से माता के निकली, अमृत धारा बहती
नहा कर अन्दर चलते चलो
प्रेम से ....

6 तीन पिण्डी के दर्शन करके मन वाँछित फल पाओ
पान सुपारी ध्वजा नारियल, माँ को भेंट चढ़ाओ
चणामृत पीते चलो
प्रेम से ....

7 फिर भैरो के दर्शन करके, तेल सिन्दूर चढ़ाओ
लौकड़ कन्याओं को जिमा कर, जीवन सफल बनाओ
माँ को शीश नवाते चलो
प्रेम से......................

~66~

भवनाँ वाली बड़ी मेंहरबान

जय माता की

भवना वाली बड़ी मेंहरबान
मैया दा कोई सानी नहीं

1 जोताँ नुरानी ये जगदी है माँ की
पहली निशानी ये देखो है माँ की
घर - 2 में जलती शमा
मैया ....

2 कितनी तो प्यारी है मैया की सूरत
हँसती ही रहती है मैया की मूरत
नजरों में जादू भरा
मैया.....................

3 मैया का दिल है ममता का सागर
उसने ही देखा जो बैठा यहाँ आकर
लेने को आगे बढा
मैया ....

4 निर्धन - धनी में मैया भेद ना जाने
सबको ही मैया बराबर है जाने
मैया ....

5 दीन-दुःखी को मैया अपना बनाती
ममता की बुटी है सबको पिलाती
दुःखड़ो से करती रिहा
मैया ....

6 सच्ची लगन से द्वारा जो आया
उसको ही माँ ने अपना बनाया
देखे ना उसके गुनाह
मैया ....

~67~

तीनों लोकों ने गुण गाया मैया जी तेरा

जय माता की

तीनों लोकों ने गुण - गाया मैया जी तेरा
जय हो मैया जी तेरा

1 हम से ना पूछो, तुम शंकर से पूछो
हाँ भोले से पूछो
जिनके डमरू ने गुण गाया तेरा
मैया जी तेरी ....

2 हम से ना पूछो, तुम मोहन से पूछो
हाँ श्याम से पूछो
जिनकी मुरली ने गुण गाया तेरा
मैया जी तेरी ....

3 हमसे ना पूछो, तुम ब्रह्मा से पूछो
हाँ ब्रह्मा से पूछो
जिनके वेदों ने गुण गाया तेरा
मैया जी तेरी ....

4 हमसे ना पूछो तुम नारद से पूछो
हाँ ऋषियों से पूछो
जिनकी वीणा ने गुण गाया तेरा
मैया जी तेरी ....

5 हमसे ना पूछो तुम भगतों से पूछो
हाँ दासों से पूछो
जिनकी जिब्हा ने गुण गाया तेरा
मैया जी तेरी ....

~68~

मिलता है सच्चा सुख हम को

<u>जय माता की</u>

मिलता है सच्चा सुख हमको
मैया तुम्हारे चरणों में
ये विनती है पल - 2 छिन - 2
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता ....

1 चाहे बैरी सब संसार बने
चाहे जीवन मुझ पर भार बने
चाहे मौत गले का हार बने
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता है ....

2 चाहे अग्नि में मुझे जलना हो
चाहे काटों पर मुझे चलना हो
चाहे छोड़ के जहाँ को निकलना हो
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता है ....

3 चाहे संकट ने मुझे घेरा हो
चाहे चारों तरफ अंधेरा हो
पर मन ना मेरा डग - मग हो
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता है ....

4 जिव्हा पर तेरा नाम रहे
तेरी याद सुबह और शाम रहे
तेरे दर्श की हर पल आस रहे
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता है ....

~69~

माँ मेंहर की कर दो नजर थोड़ी सी

जय माता की

माँ मेंहर की कर दो नजर थोड़ी सी
माँ सुन लेना मेरी अरज थोड़ी सी

1 दीन - दुःखियो पे निगाह आप की पड़ती
दुःखड़े हरती रही निगाह आप की
माँ हम पर भी फेरो नजर थोड़ी सी
माँ ....

2 तेरी रहमत निगाह में है जादू भरा
मैया जिस पर भी पड़ती बना आपका
माँ अपना बना लो अरज थोड़ी सी
माँ ....

3 तेरी रहमत निगाह में कमाल बड़ा
जिस पर डालो वह होता निहाल बड़ा
मैया हम पर भी डालो नजर थोड़ी सी
माँ ....

4 तेरी रहमत निगाह का ठिकाना नही
कब किस पर पड़े ये पता भी नहीं
मैया डालो इधर भी नजर थोड़ी सी
माँ ....

5 मैया दे दो मुरादे तो मर्जी तेरी
पर सुन लेना मैया ये अर्जी मेरी
अपमे दिल में दे दो जगह थोड़ी सी
मैया मेंहर ....

6 तेरा संसार है माँ दुःखो से भरा
वह ही खुशहाल है जो बना आपका
अब तो चरणों में देना जगह थोड़ी सी
मैया......................

चढता जा चढाई जय माता की बोल

जय माता की

चढ़ता जा चढ़ाई, जय माता की बोल
जीवन सफल बना ले, हदय के पट खोल

1 लख चौरासी भटक ये तन पाया
दुनिया की रोशनी ने माया में भुलाया
पाप किये है कितने कर्मों को मन से तोल
चढ़ता ....

2 जिनको समझता अपना, सभी बेसहारे है
जब तक है स्वाँस, सिमर तभी तक बेचारे है
भक्ति बिन है सबकी यह नैया डांवाडोल
चढ़ता ....

3 प्रीति बढ़ा ले माँ से, मुक्ति वरदाती है
तीनों पिण्डी दर्शन देकर चिन्ता मिटाती है
मन वाँछित फल पाले माँ बैठी द्वार खोल
चढ़ता ....

अब तो ले लेना खबरिया जग जननी

<u>जय माता की</u>

1 अब तो ले लेना खबरिया जग जननी
लाल है चोला, लाल चुनरिया
लाल मात की बिन्दी
भक्त तेरे हिन्दु, पंजाबी बंगाली और सिन्धी
अब तो ....

2 हरा है पीपल, हरियल पत्ता, ऊपर तोता बोले
हरा है मात ने पहरी चूड़िया, देख के मनवा डोले
रिमझिम बरसे है बदरिया जगजननी
अब तो ....

3 जो कोई आशा करके आवे, नही आस को मेटे
बाँझ नारियों के दुर्गे जी, गोद खिलादे बेटे
परजा देती है भवनिया जगजननि
अब तो ....

4 तू ही वैष्णों तू ही ज्वाला, तू ही माता काली
भवन तेरे की चौरफा से शेर करे रखवा ली
जिनकी पहाड़ो में नगरिया जगजननी
अब तो ....

5 तू ही जगरण पूरा करेगी, भक्त का आज भवानी
पीछे - 2 भैरों लाल लौकड़िया अगवानी
संग में चलते है लँगुरिया जगजननी
अब तो ....

आकर दरबार में जो माँ को रिझा लेते है

जय माता की

आकर दरबार में जो माँ को रिझा लेते हैं
कितने जन्मो के अपने पाप मिटा लेते हैं

1 चेतन है बुध्दि उनकी हरदम है साथ माँ के
मां के वचनों पर जो विश्वास जमा लेते हैं
आकर ....

2 धोते है मैल दिल के मैया के दर पर आके
माँ की ज्योति से दिल का दीप जगा लेते हैं
आकर ....

3 करते जो सेवा तेरी तन - मन और धन से आके
माँ के भगतों में अपना नाम लिखा लेते हैं
आकर ....

4 तेरी ज्योति में करते मैया दीदार तेरे
अपनी नजरों में माँ का रूप बसा लेते हैं
आकर ....

5 तेरी वाणी में पाते मैया जी ज्ञान तेरा
तेरा महिमा को अपने दिल में बसा लेते है
आकर ....

6 कितने ही दिल की दौलत आकर चढ़ाते माँ को
माँ के हदय में अपना स्थान बना लेते हैं
आकर ....

7 कह देते हाल अपना मैया के पास आवे
भवनाँ वाली को वह फरियाद सुना देते है
आकर ....

~73~

कर के दया माँ इक दिन तो आना

जय माता की

करके दया माँ इक दिन तो आना
तुझे तो पता ही है मैया मेरा ठिकाना
करके ....

1 तुझको पुकारूँ बन के सवाली
मुझको पिला दो माँ ममता की प्याली
सुनुगाँ नहीं अब कोई बहाना
करके ....

2 कोई ना जाने पीर पराई
तेरी ये दुनिया मुझको न भाई
अगर हो सके तो माँ वापस बुलाना
करके ....

3 चाहे खुशी दे चाहे गम दे
दे चाहे ज्यादा या कुछ कम दे
नज़रो से अपनी मुझे ना गिराना
करके ....

4 तेरे सिवा अब कोई ना मेरा
तेरी शरण में है माँ डाला है डेरा
चरणों से अपना माँ मुझे ना हटाना
करके ....

माँ तेरे प्रेम में बन बैठे दिवाने भी मस्ताने भी

<u>जय माता की</u>

माँ तेरे प्रेम में बन बैठे, दिवाने भी मस्ताने भी
अब प्रीत में तेरी छूट गये
सब मन्दिर भी, गुरुद्वारे भी

1 पीने का शौक नहीं रखते
मयखाने कभी हम जाते नहीं
फिर भी तो नशा भरपूर मिला
मेरी माँ ने दिये दीदार भी
माँ . . . .

2 अब सोच - फिकर तो कुछ भी नहीं
सब माँ के ऊपर छोड़ दिया
माँ जो भी करे अच्छा करे
इस बात के हम तो कायल री
माँ . . . .

3 जब प्रेम का आनन्द लेकर
दुनिया का होश नही रहता
हाथों से कलम फिर चलती है
अरे जाने भी अनजाने भी
माँ . . . .

4 जब मैं थी तब तो मैया नहीं
अब मैया है मैं हूँ ही नहीं
मुझे मैया ही नजर आती है
मेरे अन्दर भी, बाहर भी
माँ ....

5 यह रंग उन्हीं को चढ़ता है
जो रो - 2 कर दिल को धोते है
उलफत का मजा वह लेते है
जो खुद को मिटाते आके री
माँ ....

6 तुम जिसको रो कर कहते हो
वह माँ के मिलन की बेला है
इस निदिया के तो मैं सद के
जो माँ से मिलादी आके री
माँ ....

चरणों दे कौल माँ रखना

जय माता की

चरणों दे कौल माँ रखना
तू दूर नहीं करना
ऐ मैया मुझे तेरा सहारा है

1 जब तक है जीवन ये तब तक के नाते
आखिर में मैया सभी है बेगाने
नाता है माँ का निराला, सदा रहने वाला
ऐ मैया मुझे तेरा सहारा है ....

2 तेरा ही आँचल माँ थामै है मैंने
तुम से ही प्रीत माँ जोड़ी हैं मैंने
नज़रों से दुर नहीं करना, माँ रूठ नहीं जाना
ऐ मैया मुझे तेरा सहारा है......................

3 बच्चों के खातिर है ममता तुम्हारी
दुष्टों के खातिर है शक्ति तुम्हारी
दुष्टों को मार गिराना माँ देर नहीं लगाना
ऐ मैया मुझै तेरा सहारा है ....

4 लाखो की बिगड़ी बनाई है तुमने
महिमा जगत की दिखाई है तुमने
मेरी भी लाज बचाना, माँ भूल नहीं जाना
ऐ मैया मुझै तेरा सहारा है ....

5 दुःखियो को तुमने है अपना बनाया
हँस - 2 के जीना माँ तुमने सिखाया
अपने ही रंग रंगाना, ना एब भरमाना
ऐ मैया मुझै तेरा सहारा है ....

6 जीवन की अंतिम घड़ियाँ आये जब मैया
आँखो के आगे खड़ी होना माँ तुम
रजिया की आस पुजाना माँ तब साथ लेकर जाना
ऐ मैया मुझै तेरा सहारा है ....

तेरे रहने के खातिर माँ मैंने मंदिर बनवाया है

<u>जय माता की</u>

तेर रहने की खातिर माँ
मैनें मन्दिर बनाया है
निरन्तर काव्य - सुमनों से
जिसे मैने सजाया है

1 ना जाना लौट कर मैया
मेरे हृदय के मन्दिर से
बहुत रो - 2 कर मैया, जिसे पावन बनाया है
तेरे रहने ....

2 अंधेरा माँ नहीं इसमे है
जलती प्रेम की ज्योति
इसी ज्योति में मैया, तेरा दीदार पाया है
तेरे रहने ....

3 है हमसे लाख माँ तुम को
मेरी तुम एक मैया हो
तुम्हे इतना बताने का मैने बीड़ा उठाया है
तेरे रहने ....

4 तेरा माँ भूलना मुझको
दुःखडे का कारण है
खता क्या दीन बालक की
जो माँ तुमने भुलाया है
तेरे रहने ....

5 बड़ी है प्रेम की दौलत से
सभी दुनिया की दौलत से
तेरे चरणों में ए मैया
जिसे मैनें लुटाया है
तेरे रहने ....

सारे रल – मिल बोलो जयकारा माई दा

जय माता की

सारे रल मिल बोलो जयकारा माई दा
जयकारा माई दा, जयकारा माई दा
जेड़ा प्यार नाल बोले, ओ प्यारा माई दा

1 उठदया बैठदया गीत तेरा गा लिया
सुपने दे विच अज दिद तेरा पा लिया
मैनू निन्द विच आ गया हुलारा माई दा
सारे रल ....

2 जिस ने भी मैया तैनू अपना बनाया रे
उसी ने माँ जग विच सब कुछ पाया रे
मैनू लगदा ऐ मन्दिर प्यारा माई दा
सारे रल ....

3 शेर ऊते बैठ के आज मैया मेरी आयेगी
आके अज भगता नू दर्श दिखायेगी
मैनू हो गया इशारा है आज माई दा
सारे रल ....

मेरी मैया की दुकान में सब लोगों का खाता

जय माता की

मेरी मैया की दुकान पर सब लोगों का खाता
भँवना वाली की दुकान में सब लोगों का खाता
जो भी जैसा करम करेगा, वो वैसा फल पाता
सब के अन्दर मैया बैठी लेकर कलम दवात
इक पल को भी रूकती नहीं, लिखती है दिन रात
इसलिये तो जन्म - 2 के कर्मों की है गाथा
मेरी मैया ....

1 क्या साधु क्या संत फकीरी, क्या राजा क्या रानी
माँ की पुस्तक में लिखी है, सब की करम कहानी
समझदार तो चुप हो जाता, मूर्ख शोर मचाता
मेरी मैया ....

2 चले नहीं इसके घर में रिश्वत चले नहीं चालाकी
इसके अपने देन - लेन की रीत बड़ी है बाँकी
ये ही सभी के जमा खर्च का सही हिसाब लगाता
मेरी मैया ....

3 बड़े - 2 इन्साफ है माँ के बड़े - 2 मर्यादा
ना ही किसी को कम माँ देवे
ना ही किसी को ज्यादा
इसीलिये तो सारे जगत का बड़ा सेठ कहलाता
मेरी मैया ....

4 अच्छी करनी करियों ऐ भैया
करम ना करिया काला
देख रहा है लाख आँख से तुझे देखने वाला
पुण्य का बेड़ा पार करे
तो पाप की नाव डुबाता
मेरी मैया ....

5 ये चाहे तो रद्ध भी कर दे, कर्मों का ये खाता
पाप पुण्य के बन्धन काटे जन्म - 2 की गाथा
जन्म - मरण से मैया छुड़ाये जो भी शरणी आता
मेरी मैया ....

मुझे रास आ गया, माँ के दर पे सर झुकाना

<u>जय माता की</u>

मुझे रास आ गया है माँ के दर पे सर झुकाना
माँ को मिल गया पुजारी मुझे मिल गया ठिकाना

1 माँ के दर्शनों से पहले, मुझे कौन जानता था
चरणों में आ पड़ी है जाने मुझे जमाना
मुझे रास ....

2 मुझे इसका गम नहीं है, ये दुनिया रूठ जाये
मेरी जिन्दगी की मालिक, माँ तुम ना रूठ जाना
मुझे रास ....

3 घर - 2 भटक - 2 कर, माँ दर पे आ पड़ी हूँ
अब मिल गया है मुझको आनन्द का खजाना
मुझे रास ....

~80~

रोता हुआ आए हँसता ही जाये

जय माता की

रोता हुआ आए, हँसता हुआ जाये
जो भी मैया के द्वारे आके शीश झुकाये
तेरे दर पे आके जो लौ को लगाए

1 माँ के दर का तू बन जा सवाली
तेरी झोलियाँ भरेगी खाली
तू ही वर दाती माँ, तू ही सुख दाती माँ
तू ही गिरतों हुओ को उठाये
रोता ....

2 तूने बिगड़ी हुई सब की बनाई
तेरी महीमा है वेदों ने गाई
संकट सब के हरे, बेड़े पार करे
तेरे चरणों में जो चित लगाये
रोता ....

3 दुर्गा मंडल है सेवक तुम्हारा
हमको भी है माँ तेरे सहारा
मैं शरण में तेरी सुध ले लो मेरी
रोता ....

~81~

दरबार में शैराँवाली के तकदीर बदलती है

<u>जय माता की</u>

दरबार में शेराँवाली के तकदीर बदलती देखी है
हमने ये घटाएँ रहमत की,

1 हर वक्त बरसती देखी है
चाहे मौजों का जोर रहे, या तुफानों का शोर रहे
किश्ती तो एक इशारे से, साहिल से मिलती देखी है
दरबार ....

2 माँ गम की दवाएँ देती है, सच्चे दिल से अगर माँगों तो
मुरझाई हुई नाजुक कलियाँ, दरबार में खिलती देखी है
दरबार ....

3 मुर्दे तो अगर जिन्दा ना करे, उस नाम में शक्ति खाक नहीं
हमने तो कटी हुई गरदन, फिर धड़ से मिलती देखी है
दरबार ....

4 अगर आग आँख के अंगारो पर, तुम पानी डालो तो बुझ जाये
सच्ची ये लपटें ज्वाला की, पानी में भी जलती देखी है
दरबार ....

5 ज्यादा ना मैया तड़पाओं, माँ शेरावाली आ जाओ
दीदार बिना माँ भगतों की, हर आँख बरसती देखी है
दरबार ....

जब से दुनिया में आई मेरी प्यारी माँ

<u>जय माता की</u>

जब से दुनिया में आई मेरी प्यारी माँ
इसका दुनिया में आना गजब हो गया
मानुष चोले में आई मेरी अम्बे माँ
इसका दुनिया में आना गजब हो गया

1 माँ के दर्शन की आशा तो मन में लिये
मैया लाखों ही बच्चे है दर पे खड़े
दर्शन देने की आदत है तुम्हारी माँ
दर्शन देना गजब हो गया
जब से ....

2 प्यार पाने की ख्वाहिश तो मन में लिये
मैया लाखों ही बच्चे है दर पे खड़े
प्यार देने की आदत है तुम्हारी माँ
प्यार देना तुम्हारा गजब हो गया
जब से ....

3 सेवा करने की इच्छा तो मन में लिये
मैया लाखों ही सेवक है दर पे खड़े
काम देने की आदत है तुम्हारी माँ
सेवा लेने तुम्हारा गजब हो गया
जब से ....

4 मेंहर पाने की आशा तो मन में लिये
मैया लाखों सवाली है दर पे खड़े
मेंहर करने की आदत है तुम्हारी माँ
मेंहर करना तुम्हारा गजब हो गया
जब से ....

5 वाणी सुनने की इच्छा माँ मन में लिये
तेरे लाखों ही बालक माँ दर पे खड़े
ज्ञान देने की आदत तुम्हारी है माँ
ज्ञान देना तुम्हारा गजब हो गया
जब से ....

6 साज सुनने की आशा माँ मन में लिये
तेरे लाखों ही भगत माँ दर पे खड़े
ताल देने की आदत तुम्हारी है माँ
तेरा ढोलक बजाना गजब हो गया
जब से ....

7 छवि देखन की ख्वाहिश माँ मन में लिये
हम तो सारे तुम्हारे दर पे खड़े
नृत्य करने की आदत तुम्हारी है माँ
तेरा ठुमका लगाना गजब हो गया
जब से ....

~83~

माँ से ज्यादा ना कोई मददगार है

जय माता की

माँ से ज्यादा न कोई मददगार है
भवना वाली का साँचा ये दरबार है

1 जो भी माँगोंगे तुम को मिलेगा वही
पर मैया को माँगेगा कोई - 2
जो चाहेगा माँ को समझदार है
भवनाँ वाली ....

2 जो भी आया शरण में निभाया उसे
अपने आँचल में माँ ने छिपाया उसे
जो भी छोड़ेगा दामन खताबार है
भवनाँ वाली ....

3 गलती करते रहे माफ करती रही
प्यार दे देकर अपना बनाती रही
इसके तो दिल में ममता का भंडार है
भवना वाली ....

4 भाव भक्ति में आकर के जो भी दिया
ऐसा ना समझो अहसान हमने किया
सारी दुनिया ही माँ की कर्जदार है
भवनाँ वाली ....

5 जन्म लेने से पहले है भोजन दिया
तेरे जन्म का भी बोझा लिया
इसकी नेकी का कोई ना हिसाब है
भवनाँ वाली ....

6 पाप मारग से मैया बचाती तुम्हें
दिव्य संदेश अपना सुनाती तुम्हे
जो व माने न वो ही सजावार है
भवनाँ वाली ....

7 अपने पाने का मार्ग बताती तुम्हें
लीला करके भी मैया दिखाती तुम्हें
इसके जैसा ना कोई वफादार है
भवनाँ वाली ....

8 आज मौका है माँ को मना लो अभी
इसके चरणों की धूली लगा लो सभी
माँ के हाथों में तो तेरा उद्धार है
भवनाँ वाली ....

9 कर्म सारे करो ध्यान माँ का धरो
रीत जग की करो प्रीत माँ से करो
तेरा निश्चय ही होगा बेड़ा पार है
भवनाँ वाली ....

~84~

है परम दयालु माँ मेरी

जय माता की

है परम दयालु माँ मेरी
कोई पार ना माँ का पाया है

1 जो चरण - शरण में आन पड़े
उनको माँ ने अपनाया है
माँ जन - 2 की प्रतिपालत है
निज बच्चों की तो सरबस है
बच्चों की खातिर माँ ने
कटरें में भवन बनाया है
है परम ....

2 माँ सब के संकट हरती है
दुःखड़ो से रिहा माँ करती है
कोई गम तो उसके पास नहीं
निज प्यार तो माँ का पाया है
है परम दयालु ....

3 कल्याण सभी का चाहती है
उद्धार सभी का करती है
इस भेद को जो भी जान गया
वह माँ के चित लाया है
है परम दयालु ....

4 मुझ जैसे दीन गरीबों पर
जब माँ की कृपा होती है
है बड़े भाग्य बच्चों के
जिन की सेवा में तन लाया है
है परम दयालु ....

5 ये कोटि - 2 पापों को
माँ पल में भस्म कर देती है
जो कोई भी अब तक करना सका
वह माँ ने कर दिखलाया है
है परम दयालु ....

6 मन्दिर - 2 मूर्त देखी सूरत का भेद नहीं पाया
अब मूर्त - सूरत एक भई माँ
दिव्य दर्श दिखलाया है
है परम दयालु ....

7 माँ ऊँचे पहाड़ों रहती है और नीचे भी आ जाती है
अब प्रेम की डोरी बाँध लिया
माँ सगुण रूप तन धारा है
है परम दयालु ....

~85~

मैनें महन्दी रचाई रे माँ के नाम की

<u>जय माता की</u>

मैनें महन्दी रचाई रे माँ के नाम की
मेरी आँखों में माँ, मेरी साँसो में माँ
मैनें ज्योति जलाई ....माँ के नाम की

1 चाँद सूरज सितारे माँ सारे
धरती आकाश केरे सहारे
कैसी सृष्टि रचाई रे ....माँ के नाम की

2 तेरे चोले नू लगी माँ किनारी
तेनू पूजे माँ दुनिया सारी
मैनें धूनि रमाई रे ....माँ के नाम की

3 निश्चय नाल जो माँ नू ध्यावे
मुँह ओं मंगिया मुरादाँ वो पावे
जिन्हें लगन लगाई रे ....माँ के नाम की

4 तेरा नाम बसा मेरे अंग में
मेरा तन - मन रंगा माँ तेरे रंग में
गिल माला बनाई रे ....माँ के नाम की

~86~

तेरी सूरत जो मन में बसी है

<u>जय माता की</u>

1 तेरी सूरत जो मन में बसी है
क्या करूँगा मैं मन्दिर शिवाले
खाक हो जाऊँगा तेरे दर पे
जान कर दूंगा तेरे हवाले
तेरी सूरत ....

2 अब तो दाती तेरा आसरा है
कौन मुझको भँवर से निकाले
पार कर दे या इसको डूबो दे
नैया कर दी तेरे हवाले
तेरी सूरत ....

3 अपनी नजरों के साये में रखना
अपने दिल से न मुझको भूलाना
दुनिया बेदर्द है बेबफा है
मेरे दिल ते ना तोड़ डाले
तेरी सूरत ....

~87~

जमाना छोड़ दिया माँ तुम्हारे दर के लिये

जय माता की

जमाना छोड़ दिया माँ, तुम्हारे दर के लिये
बिछाये बैठे है, नजरें तुम्हारे दर्श के लिये
जमाना ....

1 तेर ख्याल में ऊँचा ना कोई नीचा है
तुम्हारा प्यार है दुनिया में, हर बशर के लिये
जमाना ....

2 भरोसा क्या है जिन्दगी में चन्द साँसों का
लगा लो आज माँ चरणों में उम्र भर के लिये
जमाना ....

3 तेरे दीदार की जो भीख हम को मिल जाये
तो फिर मैं झोली क्यो फैलाऊँ माल और ज़र के लिये
गुनाह लाल के माँ दिल से माफ कर देना
ये मेरे आँसू ना काफी तेरे असर के लिये
जमाना ....

4 तेरे करम से जो मेरा नसीब खुल जाये
लगा लो आज माँ अपने गले से पल भर के लिये
जमाना ....

~88~

दुनिया को छोड़ कर माँ आज तेरे द्वार आया

जय माता की

दुनिया को छोड़ कर माँ, आज मेरे द्वारे आया
गुनाह बक्शो, मैं गुनाहागार आया
दुनिया ....

1 मैं गरीब हूँ बेचारा, चरणों में क्या चढ़ाऊँ
आँखों से गिरते आँसू लेके दो चार आया
दुनिया ....

2 अपनों ने मुँह फेरा, ठुकरा रहे बेगाने
सिने में आज छुपा के माँ तेरा प्यार लाया
दुनिया ....

3. दर - 2 रहा भटकता मायूस हो गया हूँ
माँ जाहे तो तू भर दे झोली पसार आया
दुनिया ....

4 हर समय अँधेरा छाये, सूझे ना कोई राह
तेरे हाथ सौपने को जीवन का भार लाया
दुनिया ....

5 चौखट पर तेरी मुझ को, आती नजर है जन्नत
आज दे दो प्यार अपना, बन के भिखारी आया
दुनिया ....

~89~

लगा रहे लगा रहे माता दे चरणों नाल मनवा

<u>जय माता की</u>

लगा रहे लगा रहे माता दे चरणों नाल
मनवा लगा रहे
मेरी पापी मनवा लगा रहे
मेरी लोभी मनवा लगा रहे ....

1 झूठी काया झूटी माया
झूठा है संसार
मनवा लगा ....

2 धन दौलत और माल खजाना
कुछ ना जाना नाल
मनवा लगा ....

3 भाई बन्धु और कुटम्ब कबीला
सब मतलब के यार
मनवा लगा ....

4 सच्चा सुख उन्होने पाया
जीस नू नाम आधार
मनवा लगा ....

5 सुमर चरन धयानु जस गावें
जो ही ध्यावे वो ही फल पावे
रखना चरणों नाल
मनवा लगा ....

माँ नित नये दीदार दे दिवाना कर दिया

जय माता की

माँ नित नये दीदर दे दिवाना कर दिया
भक्ति का जलवा जाम दे मतवाला कर दिया
ऐसी मचाई धूम माँ जागे में आन कर
सोये हुए संसार से छुटकारा कर दिया
माँ नित ....

1 जोते जगाई मात ने, मन्दिर में आन कर
गहरी अंधेरी रात में उजाला कर दिया
माँ नित ....

2 माँ आप का दर्शन मुझे, बिल्कुल असम्भव था
दर्शन दिखा कर आपने मन दिवाना कर दिया
माँ नित ....

3 ऐसा दिखाया रूप माँ भवन में आन कर
अपनी छवि का आँख में नजारा भर दिया
माँ नित ....

4 माँ की मधुर आवाज से गूंजे भवन सारा
सबके हृदय में ज्ञान का भण्डारा भर दिया
माँ नित ....

5 वाणी पे मैया आपकी दिवाने हो गये
अपनी शमा का आज माँ परवाना हो गया
माँ नित ....

6 रूठी हुई किस्मत लिये माँ दरबार आए थे
चमका कर मेरी किस्मत को सितारा कर दिया
माँ नित ....

7 सब की भरी माँ झोलियाँ भँवना में आनकर
बच्चों को अपने प्यार का इशारा कर दिया
माँ नित ....

8 मैया तुम्हारे प्यार से हम बाफिक हो गये
चरणों में माँ के बैठ दिल नजराना कर दिया
माँ नित ....

जय माँ बोल तो सही तेरा क्या लागदा है मोल

जय माता की

जय मां बोल तो सही, तेरा क्या लगदा है
जय माँ ....

1 जिनके घर में माँ नहीं, बाप करे नही प्यार
ऐसे दीन अनाथ की मैया है आधार
अँखियाँ खोल तो सही तेरा क्या लगदा मोल
जय ....

2 साँचा द्वारा है मेरी माँ का सुन ले मेरे भाई
मेहरे माँ के द्वारे बरसती साँची है महामाई
द्वारा खोज तो सही, तेरा क्या लगदा मोल
जय माँ ....

3 मन दिया संसार में भोगोगें सुख चाहे
माँ की भक्ति के बिना, तीन लोक सुख नाहि
तराजु तोल तो सही, तेरी या लगदा मोल
जय माँ ....

4 मुट्ठी बाँधे आया जगत में हाथ पसारे जावे
मेरी - 2 करता डोले, मन मूर्ख पछतावे
कड़वा बोल तो नहीं, तेरा क्या लगदा मोल
जय माँ ....

5 जन्म - 2 सोया मनवा, अब तो आन जगाले
नर तन चोला है अति दुर्लभ, जीवन का फल पाले
अमृत घोल तो सही, तेरा क्या लगदा मोल
जय माँ ....

6 ब्रह्मा विष्णु शिवजी मा भी, मैया को ही ध्याया
जितने भगत हुए है जग में, सबने ही माँ का गुण गाया
मुखड़ा खोल तो सही, तेरा क्या लगदा मोल
जय माँ ....

7 मैया प्यारी आन विराजी ण् चरणों शीश नवाले
माँ की शरणागत में आजा, मनवांछित फल पाले
मोती रोल तो सही तेरा क्या लगदा मोल
जय माँ.....................

मैया से करते रहियो प्यार ओ नादान मुसाफिर

जय माता की

मैया से करते रहियो प्यार
ओ नादान मुसाफिर
जीवन की नैया कर ले पार ओ नादान
आशा ना तोड़ देना, भक्ति ना छोड़ देना
वरना तू डूबेगा मझधार
ओ नादान ....

1 मंगल की खान भक्ति, सबसे असान भक्ति
सारे गुणों की ये भण्डार
ओ नादान ....

2 करनी शुभ करते रहना, दोषो से बचते रहना
चाहे जो अपना तु कल्याण
ओ नादान ....

3 संकट में ना घबराना ण् मैया से ध्यान लगाना
सब के सिर पे माँ का हाथ
ओ नादान ....

4 मैया ही अन्त सहाई, इसको पहचानो भाई
करती माँ बेड़ा पार
ओ नादान ....

5 हदय का दीप जगा ले, मैया का दर्शन पाले
घट - 2 विराजे मेरी मात
ओ नादान ....

6 आनन्द बरसाने वाली मैया, भवना वाली
चरणों में रख दे अपना मात
ओ नादान ....

~93~

हम मैया के माँ हमारी हो गई

जय माता की

माँ हमारी हो गई हम मैया के हो गए
जन्म - 2 के नाते माँ संग हो गए
हम मैया ....

1 लाखों पतितों को तुमने अपना लिया
मैं भी शरणागत तुम्हारी आ गया
मेरे दुःख माँ के सहारे हो गए
हम मैया ....

2 पल - 2 छिन - 2 हमने पुकारा है तुम्हें
मरते - 2 भी पुकारा है तुम्हे
मेरे गम माँ के सहारे हो गए
हम मैया ....

3 मेरी नैया भी भंवर में जा फँसी
अब तो आ जाओ बचाने माँ मेरी
री नैया माँ के सहारे हो गए
हम मैया ....

लखाँ तर गये लखाँ ने तर जाना

जय माता की

लँखा तर गये लँखा ने तर जाना
माँ जिन्हें तेरी नाम जपया
जिन्हें तेरा नाम जपया
माँ जिन्हें ....
थोड़ कदे ना आवे जिन्हें तेरा
लँखा ....

1 सचे दिल नाल तेरे दर ते
जो भी शिश भुकावें
अपनी भोली मैया कौलों
मन की मुरादे पावें
तेरा प्यार माँ उसने ही पाँणा
तेरा प्यार माँ उसने ही पाँणा माँ
जिन्हे ....
लँखा ....

2 ध्यानु भगत ने सिस कटा के
जग विच नाम कमाया
सिस कटा के सदा लई
ओ तेरी शरण विच आया
ओदा नाम अमर हो जावे
ओदा नाम अमर हो जावे
जिन्हें ....
लँखा ....

3 सच्चे दिल नाल तेरे दर ते
जो भी सवाली आवे
करे मुरादा पूरी ओस दी
खाली कदे ना जावे
ओ दी झोलियाँ भर - 2 जावे माँ
जिन्हें . . . .
लँखा . . . .

~95~

मैं गुनाहगार हूँ माफ कर यो मुझे

<u>जय माता की</u>

मैं गुनाहागार हूँ माफ कर दो मुझे
छोड़ कर दर तुम्हारा किधर जाऊँगा

1 देखता हूँ ना आओगी माँ कब तक
तेरी चौखट पे सर रख के मर जाऊँगा
तूने बक्शी है मुझ को अमर जिन्दगी
मैनें भी खुब की है इबादत तेरी
क्या इबादत में मेरी कमी रह गई
जो बता दे तो वो पूरी कर जाऊँगा
मैं गुनाहागार ....

2 गम के शोलों से दिल माँ मेरा जल चुका
हाले दिल किस को जाकर बताऊँ
बता अश्क आँखों के रोके नहीं रूक रहे
मैं गुनाहागार ....

3 अब तो कर दो ए माँ मेंहर की नजर
क्या तड़फता रहूँ यू ही उम्र भर
तेरे दर के सिवा कोई ठिकाना नहीं
छोड़ कर दर तुम्हारा किधर जाऊँगा
मैं गुनाहागार ....

4 उम्र भर तो सताया है मुझ को बहुत
वक्त आखिर है दिल की आवाज सुनो
माँ के दर तक तो गरदीश ले चलो
देख लेगी माँ खुश होके तो तर जाऊँगा
मैं गुनाहागार ....

5 आज उठकर मैया जो सवाली गया
हो के मायूस दर से खाली गया
देख कर मेरे चेहरे पे मायूसियाँ
ताने देगा जमाना किधर जाऊँगा
मैं गुनाहागार ....

मेरी माता के दरबार कॅंजका खेल रहीयाँ

जय माता की

मेरी माता के दरबार कँजका खेल दिया
स्यावा कॅजका खेल दिया

1 आगे कँजका, पीछे कँजका
कँजका आसे - पासे
जग जननी नाल खेला खेलन
मुड़ - 2 निकलन हासे
कँजका ....
मेरी माता.....................

2 रंग बिरगीयां चुन्नियाँ सिर ते
एक ते एक है चंगी
हवा दे विज झूम उड़दी
पीवे पवे सतरंगी
कँजका ....
मेरी माता ....

3 लक्ष्मी खेले ए सरस्वती खेले
खेले कांगड़े वाली
चिन्तपूरनी चामुण्डा खेले
खेल रही माँ काली
कँजका ....
मेरी माता ....

4 हीरे पन्ने नीलम दे हथ
ठीके पे बुड़कावन
जगत रचावन वाली जगत नू
खेला खेल दिखावना
कँजका ....
मेरी माता ....

5 माता वैष्णों दे झूले नू, सब्बे देन हुलारे
पिंगा पावन किकडियाँ पावन
जोश मैया के द्वारा
कँजका ....
मेरी माता ....

~97~

माँ की ज्योति से दुनिया पली

<u>जय माता की</u>

माँ की ज्योति से दुनिया पली
माँ को ध्याले घड़ी दो घड़ी
ओ ...... 3 झूठी - 2 ये दुनिया को छोड़ो
माँ की शक्ति हे सबसे बड़ी
माँ को ध्याले ....

1 उस प्राणी का जीना भी क्या
माँ का नाम न जिसने लिया
ऐसे जीने से क्या फायदा
ध्यान माँ का ना जिसने लिया
माँ की ज्याति है सबसे बड़ी
माँ को ध्याले ....

2 लाख गहरा हो सागर तो क्या
माँ की ममता से गहरा नहीं
दुनिया कितनी सताये तुम्हें
मुँह से तू कुछ भी कहना नहीं
माँ बचाए तुम्हे हर घड़ी
माँ को ध्याले ....

जय माता की
तारा रानी

~98~

तारा रानी - आओ तारा रानी हमारे जागे में

तारा रानी

आओ तारा रानी हमारे जागे में
आकर दर्श दिखाओ हमारे जागे में

1 जगन तुम्हारा आज रचाया
सब भक्तों का जिया हुलसाया
आओ तारा रानी ....

2 चन्दन चौकी लाय धरी है
जग - मग जोत विराज रही है
आकर आसन लगाओ हमारे जागे में
आओ तारा रानी ....

3 झाँझ मज़ीरा ढोलक बाजे
मीठे बोल माता दे प्यारे
सब मिल माता के गुण गाओ हमारे जागे में
आओ तारा रानी ....

4 पान सुपारी नारीयल मेवा
गन्ध पुष्प माता की सेवा
माता को शिश नवाओ हमारे जागे में
आओ तारा रानी ....

5 जन सेवक मे अरज गुजारी
सुन ले मेरी साँवल माई
बाने को पैंज निभाओ हमारे जागे में
आओ तारा रानी ....

नन्दलाला भेंट – जागो मात अनिन्द्रा ए जागो मात विरहा

जय माता की
नन्दलाला भेंट

जागो मात अनिन्द्रा ए जागो मात विरहा
सब जग करो निहाल जै – 2 माँ
जागो मात अनिन्द्रा देवो सन्तन को धीर
जो जन तेरी सेवा करे, उनके अच्छे रखो शरीर
जै – 2 माँ ....

1 काहे भवानी तेरा अंगना लिपावाँ 2
काहे का चौक पुरावाँ जै - 2 माँ
हरे – 2 गोबर तेरा अंगना लिपावाँ – 2
गज मोती चौक पुरावाँ जै – 2 माँ

2 पहले पहर तेरा भजन कराँ माँ 2
कीजियो बुद्ध प्रकाश
तेरियाँ ज्योता को मैं वारी – 2 जावाँ
दजे पहर तेरा भजन कराँ माँ - 2
देना अन्न द्द धन – दान ए अन्न – धन – दान माँ
तेरियाँ ....

3 तीजे पहर तेरा भजन कराँ माँ 2
देना भक्ति का दान ए भक्ति का दान
तेरियाँ ....

4 चौथे पहर तेरा भजन कराँ माँ 2
देना मुक्ति का दान ए मुक्ति का दान
तेरियाँ ....

~100~

तारा रानी की भेंट – अंश जो राखा रानी ज्वालपा

जय माता की
तारा रानी की भेंट
अंश जो राखा रानी ज्वालपा
मैया मेरे कौलों रहा भी ना जाये
मैया किन तेरा जगन रचाया
मैया कौन आवे आधी – 2 रात
मैया रूकमन जगन रचा लिया
तारा रानी आवे आधी – 2 रात
पीले – 2 केसर डल रंग लिये
उठो मेरे भक्तों डल बाँटिये
हुक्म जो हुआ दुर्गे मात का
मेरे कौलो रहा भी ना जाये
डल को जो बाँधे रानी जगन चली
आधी – 2 रैन अपार
एक अंधियारा दूजे श्याम घटा
तीजे चोरों का वास
चोरो ने जो डाला हाथ रानी पे
माई फाट गया पट आँचला
पाँव के पऊँये दोनो गिर गये
तारा रानी गई घबरा
पाँव के पहुये दोनों छोड़ के
तारा रानी जागे पहुँची जा

राजा हरिश्चन्द्र पीछे आँवदा 2
पाँव के दोनों पँऊये चुक लिये
हरिश्चन्द्र जागे पहुँचा जा
काहे का तेरा अंगना लेपया
काहे का चौक पुराँ
हरा - 2 गोबर अंगना लेपयाँ
गज मोती चौक पुराँ
काहे का घट तेरा माँडला
काहे का टका पावये
सर्व सोने का घट माँडला
रूपये - 2 टका पावये
पास परोस बाँटा चलयाँ
उठो मेरे भक्तों बाँटा बाँटिये
पास परोस बाँटा मिलियाँ
तारा रानी गोद भराये

विश्राम

गोद भरा के रानी घर चली
हरिश्चन्द्र आगे आके रोक दा
खोल खड्ग हरिश्चन्द्र खड़ा
तारा रानी गोद दिखाय
जो मेरे सिर साँचे साई दाँ
खड़ा भक्तपथ राख लो
जो मेरे सिर आप देवा जी
अपनी जौहर कला दिखा
हुक्म जो हुआ दुर्गे मात का
तारा रानी गोद दिखा
डलया सुपारियाँ हो गई
भात चम्पे दे हार
हाड़ गनोटे हो गये

पुरियाँ मगई के पान
सीरा केसर हो गया
बटुक मेवा प्रसाद
डाल खडग राजा पाँव पड़ा
मुझे तारा रानी पंथ दिखा
पंथ खान्डे की धार है
राजा तेरे कौलों सही भी ना जाये
पंथ चम्पे दे हार है
मैं लाँवा गले विच पाँय
सुन्दर जो बेटा तेरा लाडला
राजा उसका जगन रचा
नीला - 2 घोड़ा तेरी हेट दा
राजा उसका हवन करा
खड्ग बेटा कटया
तारा रानी जगन रचा
खड्ग घोड़ा काटयाँ
तारा रानी हवन करा
कट - 2 डलियाँ करी
तले लकड़ियाँ देई लगाई
जागो अगम ज्वाला माई
राजा हरिश्चन्द्र जगन रचाय
जागी अगम ज्वाला माई
तुरत भयो प्रसाद
रीझ - 2 तैयारी कर रही
आओ मेरे भक्तों बाँटा बाँटिये
चेत परस भाँटा मिलियाँ

राजा हरिश्चन्द्र गोद भराये
एक डली राजा खाँवदा
नयन भर - 2 रोवे
काहे को हरिश्चन्द्र रोवदाँ
राजा काहे को करत विलाप
मैं तैनू बार - 2 कह रही
राजा तेरे कौलों चला भी ना जाये
सुन्दर जो बेटा तेरी गोद का
राजा देख भवन में जाये
नीला - 2 घोड़ा तेरे हेट दा
राजा देख जाये घुड़साल
सुमर चरन ध्यानु गाँवदा
मेरे यश का तिलक लगाओ
तेरी ज्योताँ तो मैं वारि - 2 जाँवा
जिन रावाँ मैया मेरी आँव दी
काहे को हरिश्चंद्र रोवदा
राजा काहे को करत विलाप
मैं तेनु बार - 2 कह रही
राजा तेरे कौलों चला भी ना जाये
तेरी ज्योताँ को मैं वारी - 2 जावाँ
जिन रावाँ मैया मेरी आँव दी

~101~

विनती तारा रानी – भजन कराँ माँ – 2 रतियाँ मैं तैरों माई जी

<u>विनती तारा रानी</u>
<u>जय माता की</u>

भजन कराँ माँ – 2 रतियाँ मैं तैरों माई जी
भजन ....

1 कट – 2 शीश मैया धरूँ तेरे आगे
ये बाँता सच्चियाँ मैं तैरों माई जी
भजन ....
कटियाँ जींभा मैया आप मिलावे

2 ये बाँता सच्चियाँ मैं तैरों माई जी
भजन ....
ये बाँता सच्चियाँ मैं तैरों माई जी
भजन ....

3 चन्दन की चौकी पर बैठी रानी जवाला
जोतां जगन सच्चियाँ मैं तेरी माई जी
भजन ....

नंदलाल की कथा

नंदलाल की कथा
जय माता की

मुगल बादशाह शाँहजहाँ के शासन काल में दिल्ली के पास नरेला गांव में एक कुम्हार नन्दराम रहता था । जो जगदम्बा का अनन्य उपासक था उसके घर में उसका पिता ईश्वर दास और एक बहन नन्दा रहते थे । वहाँ भगवती की अखण्ड जोत जलती थी । एक बार जंगल में मिट्टी खोदते हुए उसको माता जी की एक मूर्ति मिली थी । जिसे उसने अपने घर में पधार लिया था । भगवती की कृपा से उसके घर में लहर-बहर हो गई और धन-धान से उस का घर भर-पूर हो गया । उसके धनी हो जाने की खबर धीरे-2 सब ओर फैल गई। बादशाह ने भी सुना कि सरकारी खजाने में भी उतना धन नहीं है जितना कि नरेले में नन्दराम के पास बताया जाता है। बादशाह ने नन्दराम को और उसकी बहन नन्दा को पकड़ने के लिए सिपाही भेज दिए। वे इन दोनों को पकड़ कर ले चले । इस समय इनका पिता ईश्वर दास रोने लगा। नन्दराम ने कहा कि पिता जी आप मत घबराओ मेरे सिर पर महामाया भगवती का हाथ है और उसी की कृपा से सवेरा होते तक ही हम लौट आएंगे और माता जी की जोत जगाउँगा।

दिल्ली पहुंच कर इनको बादशाह के सामने पेश किया गया । बादशाह ने कहा कि नन्दा हमें खबर मिली है कि तेरे पास नरेले में इतना धन है कि उतना सरकारी खजाने में भी नहीं है। नन्दराम ने पूछा महाराजा आपने तो मुझे धन दिया ही नहीं तो मेरे पास माल कहाँ से आया। फिर बादशाह बोले कि हमें खबर मिली है कि तूने दिल्ली और आगरे में डाके डाल - 2 कर माल इकट्ठा किया है । इतना कह कर बादशाह ने नन्दराम और उसकी बहन

नन्दा को कैद कर लिया। जब आधी रात का समय हुआ तो नन्दराम जगदम्बे का ध्यान करके रोने लगा और उसने कहा कि माता जी आपने यदि अपनी कला छिपाई नहीं है तो मेरा छुटकारा दिलाओ जो मैं प्रातः काल अपने घर पर ही आप की जोत जगा सकूँ। नन्दराम की सच्चे दिल की पुकार मंजूर हुई। पवन वेग से चल कर भगवती बादशाह के महल में आई और उसे जगा- जगा कर पूछा कि क्यों रे मुगल क्या तुझे धन का लोभ सवार हुआ है या तू मेरी अपार शक्ति का परिचय लेना चाहता है। उसने कहा मुझे तो माल चाहिए। उसी समय माताजी ने बादशाह को धरती पर पटक दिया और आँखों से अंधा कर दिया। महामाया की आज्ञा से नन्दराम और उसकी बहन को बंदीग्रह से बुलाया और दोनों की नये वस्त्र पहनाए गये। नन्दराम को घोड़े पर चढ़ाया और नन्दा को पालकी में बिठाकर सम्मान सहित विदा किया गया। सवेरा होने से पहले दोनों अपने घर पहुँच गये। माताजी का जै - 2 कार हुआ। नन्दा ने जोत जगा कर माता जी की प्रातः कालीन पूजा की । इस प्रकार महामाया भगवती की कृपा से नन्दराम और उसकी बहन नन्दा का संकट दूर हुआ।

जैकारा महामाया भगवती का

तारा रानी की कथा
जय माता की

तारा रानी की उपासना के लिए तारा रानी की भेंट जागरण में सुनाई जाती है। संकट में पड़े हुए द्रढ़ निश्चय वाले भक्त का उद्धार भगवती तारा रानी देवी किस प्रकार करती है। यह कथा से प्रमाणित होता है।

किसी वन्य देश का राजा हरिश्चंद्र वैष्णों था। उसकी रानी तारामती शास्त्र के अनुयायी भगवती के उपासक थी। एक बार शुद्र जाति रुक्मणी ने अपने घर में भगवती का जागरण किया और तारा रानी को वहाँ आने का निमंत्रण दिया। जिसे तारा रानी ने स्वीकार कर लिया। भगवती की कृपा से राजा को नींद आ गई और आधी रात के समय जागरण में जाने के लिए अपने महल में से निकली। अंधेरी रात थी बादल छाए हुए थे और बिजली चमक रही थी। रानी गहने पहने हुए थी। मार्ग में चोरों ने रानी को रोकना चाहा, रानी वेग से आगे निकल गई। उसकी साड़ी का आंचल फट गया और पैर की खड़ाऊँ भी गिर गई।

इधर थोड़ी ही देर में राजा की आँख खुल गई। जब उसने रानी को मौजूद ना पाया तो उसे क्रोध आया और रानी को महल में वापिस लाने के लिए राजा तलवार लेकर चल दिया। रानी को खोज लगाता हुआ राजा उस जगह पहुँच गया जहाँ रानी की खड़ाऊँ गिरी थी राजा ने खड़ाऊँ उठाई और आगे बढ़ा। चलते - 2 रुकमणी के दरवाजे पर पहुँच गया।

जब रानी रुक्मणी के घर पहुँची तो भक्तों ने माता का जै - 2 कार किया। फिर भगवती का जागरण हुआ। भगवती का भोग प्रस्तुत किया गया। उन्होंने हवन की अग्नि में आहुति डाली। जब प्रसाद बाँटना शुरू हुआ तो सबसे पहले रानी तारामती की गोद भरी गई। द्वार के पास खड़ा राजा यह सब देख रहा था। और पल - 2 उसका क्रोध बढ़ रहा था। भगवती को प्रणाम करके तारामती ने अपने घर की ओर प्रस्थान किया। थोड़ी दूर जाने पर राजा ने तारामती को रोका। उसकी गोद पकड़ ली और तलवार खींच कर उसे गोद दिखाने का हुक्म दिया।

रानी तारामती के इस समय प्राणों पर संकट आया हुआ था। राजा क्रोध में भरा तलवार खींचे उसके सामने खड़ा था। अतः तारामती ने जगदंबे से विनती करी कि माँ इस समय अपनी महिमा प्रकट करके मेरी जान बचाओ। आपकी भक्ति करते हुए जान दे देने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है। किंतु इस अवसर पर आपने मेरी रक्षा नहीं करी तो आपके भक्तों का विश्वास डाँवाडोल हो जाएगा और आपकी महिमा घट जाएगी।

भगवती ने रानी की प्रार्थना सुनी और पवन रूप से अंतर्मन में प्रवेश किया। इससे रानी के मन को धैर्य हुआ। उसको अपनी गोद में से फूलों की सुगंध आती हुई प्रतीत हुई। इससे उसके हृदय में और भी द्रढ़ता आ गई। उसने गोद खोल के राजा को दिखा दी। रानी की गोद में राजा हरिश्चंद्र ने जो कुछ देखा उससे वह आश्चर्य चकित रह गया।

हड्डियाँ गुनोटे हो गईं। अंतड़ियाँ पान बन गए। माँस के टुकड़े सुपारियाँ हो गई। चावल चंपे के हार बन गए। सिरा केसर बना और बटुक प्रसाद का मेवा बन गया। राजा ने अपनी आँखों से देखा था। जो कुछ रानी की गोद में डाला गया था। परंतु इस समय तो वह कुछ और ही बन गए। राजा हरिश्चंद्र का भ्रम दूर हो गया। और रानी का इष्ट देवता **जगदंबा** भगवती एंव रानी का अनन्य भक्ति के प्रति उसका विश्वास पक्का हो गया। एक दम धन्य-धन्य पुकार उठा। तलवार फेंक दी और रानी के पैर पकड़ लिए।

राजा ने कहा रानी तारामती जिस विधि से तुम भगवती की उपासना करती हो वह मुझे भी बताओ। मैं भी उस प्रकार भक्ति करूँगा। रानी बोली कि महाराजा आप ऐश्वर्य जीवन बिताते हो। इस मार्ग में त्याग और बलिदान की आवश्यकता होती है इसलिए आप इस मार्ग पर नहीं चल सकेंगे। राजा ने जिद करी तो रानी ने कहा अपने प्यारे कुँवर का बलिदान करके माता का यज्ञ रचाओ और अपने **अनंत** लाडले घोड़े को मार कर उसका हवन करो। राजा को जोश चढ़ा हुआ था उसने कुँवर और घोड़े को मार कर उसके माँस का यज्ञ किया। जब प्रसाद बँटा तो उसका कुछ भाग राजा को भी दिया गया। जब राजा उसे मुंह में रखने लगा तो पुत्र की याद आ गई। ममता का स्त्रोत फट पढ़ा और राजा रोने लगा। रानी ने उसे समझाया कि राजा संसार का मोह मिथ्या है, माया है। इसमें पड़कर विश्वास को डाँवाडोल मत करो। जगदंबा की अपार शक्ति में विश्वास रखो। वह सर्व समर्थ है। भक्तों की रक्षा करती है। और उनकी मनोकामना पूर्ण करती हैं। इतना कह कर रानी ने प्रार्थना की और माता की अपार कृपा से कुँवर और घोड़ा दोनों जीवित हो गए। राजा खुश हो गया। यह सब रानी तारारानी की भक्ति का प्रताप था ।

जैकारा रानी तारारानी का

जैकारा माँ भवना वाली का

~104~

भैरों – कालीका बटुक खिलावै जी

भैरों
जय माता की

कालिका बटुक खिलावै जी
कालिका बटुक खिलावै जी

1 चल देखिए मंदिर जाके
कालिका बटुक खिलावै जी
बटुक खिलावै दूध पिलावै
हँस – 2 कंठ लगावे
कालिका ....

2 काला – गोरा दोनों भाई
बार – 2 बलि जाए
कालिका ....

3 रतन चढ़ाऊँ सिर मुकट विराजे
शेषनाग गल पाए
कालिका ....

4 सुमर चरण ध्यानु यश गावे
सब की आस पुजावें
कालिका ....

~105~

लौकड़ – लो आया घोड़े असवार

जय माता की

लो आया घोड़े असवार
वो आया नीली असवार
आया पंत का राजा घोड़े असवार
1 जब – 2 आये असुये सुहाये
चाल उमाया लाया
वो आया ....

2 कभी अगाड़ी कभी पिछाड़ी
कभी कूद कर आया
वो आया ....

3 हलवा पूरी उसे ना भावे
मोदक भोग लगावा
वो आया ....

4 सुमर चरण ध्यानु यश गावे
भोर ही दर्शन पाया
वो आया ....

~106~

जोगन की झोली भर दे

जय माता की

जोगन की झोली भर दे, ओ बंशी वाले श्यामा
उठा कर हाथ में झोली, चली जिस वक्त वह जोगन

1 विचरती फिरती थी गूँजे पहाड़ और वन-2
लगन थी द्वारिका जाकर
देश भगवान का पाने की
लिपट कर प्रेम से पद
प्रेम भक्ति का पाने की
नहीं था ध्यान कुछ उसको
नहीं थकती थी कहने से
गुजरता था समय उसका
इन्हीं शब्दों के रटने से
जोगन ....

2 जवाँ पर नाम है तेरा, मैं रटती नाम को तेरे
जरा तो देख ले मुझ को, पड़ी हूँ चरण में तेरे
सुना है दीन बन्धु हो, रहती दीनों पर कृपा तेरी
नहीं कुछ खौफ उसको, जिस पर हुई कृपा तेरी
लिपट कर प्रेम - पद से, वाणी बनाऊँगी मैं
जोगन ....

3 लगा कर धूनी जब बैठी
वह जोगन ध्यान में उसके
नहीं था पास कोई भी फकत भगवान थे उसके
तपा कर देख खूब उसको
जला कर आग की भट्टी
नहीं ध्यान जब बदला
ना कोशिश कार गर आई
चलाई आँधी फिर वर्षा मगर
नहीं आँख तक झपकी
तभी हल्की दहन से
उस भिखारिन के सदा आई
जोगन . . . .

4 उठा कर चक्र – सुदर्शन को
चले फौरन ही गिरधारी
जमाए बैठी थी आसन
जहाँ जोगन भस्म धारी
दिये प्रेम से दर्शन, बजाई तान से बंशी
चखाया स्वर्ग का आनंद
सुना कर तान की बंशी
ज्यों ही देखा भीखारीन ने
सामने खड़े हैं भगवान
नवा कर शीश को अपने
किया फिर प्रेम से गायन
जोगन . . . .

5 ध्यान में ऋषियों के नहीं
जिस को कभी आते देखा
हमने द्रौपदी का चीर उसे बढ़ाते देखा
जिस की सेवा के लिए,
सुर थे सभी ललाई
भक्त अर्जुन के लिए रथ को हाँकते देख
प्रेम से प्रेम की वाणी से पुकारा जिसने
कमला पत गोपाल को उसने आते देखा
जिस की माया ने चराचर को नचा रखा है
हमने गोकुल में उसे नाचते गाते देखा
जोगन . . . .

चरण भले है भोली माँ

चरणों की महिमा
जय माता की

चरण भले हैं भोली माँ, माई तुमरे चरण भले
जय - 2 माँ, अम्बा तुमरे चरण भले
जय - 2 बाबा तुमरे चरण भले

1 इन चरणों की मैं क्या महिमा वरणूँ
इन चरणों की मैं क्या छवि वरणूँ
सुर मुनि ध्यान धरे ---- भवनाँ वाली अम्बा
जय - 2 माँ, माई तुमरे चरण

2 इन चरणों की मैं क्या शोभा वरणूँ
इन चरणों की मैं क्या छवि वरणूँ
मंहदी से लाल रचे ---- ज्वाला रानी अम्बा
जय - 2 माँ, अम्मा तुमरे चरण भले

3 इन चरणों विच कड़ियाँ सोहे
कड़ियाँ सोहे मानक झड़ियाँ सोहे
हीरे मोती रतन जड़े ----- शीलो रानी अम्बा
जय - 2 माँ, अम्बा तुमरे चरण भले

4 शुम्भ निशुम्भ माँ ने सहारे
रक्तबीज महिषासुर मारे
चरणों दे नाल दले ----- कालका रानी अम्बा
जय - 2 माँ-माई तेरे चरण भले

5 माई चरण सृष्टि लोकों निराले
आई है मैया सृष्टि लेकर अवतोर
चरणों में जीवन रहे ----- भावनाँ वाली अम्बा
जय - 2 माँ, माई तेरे चरण भले

6 माई चरण हमारा जीवन सहारा
जीवन सहारा हमारा साँचा सहारा
चरणों में शीश झुके ----- चरणी रानी अम्बा
जय - 2 माँ, माई तेरे चरण भले

7 सूमर चरण माँ का ध्यानु जस गावें
जो ध्यावे सोई वो फल पावें
चरणों दे नाल रखो ----- भवनाँ वाली अम्बा
जय - 2 माँ, माई तेरे चरण भले

आँवा चरणों कोल माँ

आवाँ चरणां कोल माँ
जय माता की

आवाँ चरणां कोल माँ, आवाँ चरणां कोल माँ
मेरा यही मन आंखदा, रह जावाँ चरणां कोल

1 मैया जी ने चिट्ठी लिखी, मीठे - मीठे बोल - 2
मेरा ये ही मन ....

2 अम्मा रानी असनान रचावें, केसर लाँवां घोल
केसर लाँवां घोल माँ केसर लाँवां घोल
मेरा यही मन ....

3 चंदन कुइ का मीठा पानी, भर - भर लावाँडोल
भर - 2 लावाँडोल, भर - 2 लावाँडोल
मेरा यही मन ....

4 दूर-2 से यात्री आए धर्म द्वारा खोल
धर्म द्वारा खोल माँ धर्म द्वारा खोल
मेरा यही मन ....

5 धरम द्वारे नौबत बाजे और बाजे है ढोल
और बाजे है ढोल माँ और बाजे ढोल
मेरा यही मन ....

~109~

रंग लागा भवन में आज

<u>रंग लागा भवन में आज</u>

<u>जय माता की</u>

रंग लागा भवन में आज
गोरी गोरी बहिया रंग लागा
हरी – हरी चूड़ियाँ रंग लागा
रंग लागा भवन में आज, मेहंदी रंग लागा
गोरी गोरी बहिया रंग लागा

1 किन तेरी मेहंदी बोइयां, किन तेरी मेहंदी बोइयां,
किन तेरे पीसे पात, मेहंदी रंग लागा।

2 गणपत मेहंदी बोइयां, गणपत मेहंदी बोइयां
सरस्वती पीसे पात, मेहंदी रंग लागा

3 ब्रह्मा मेहंदी बोइयां, ब्रह्मा मेहंदी बोइयां
विष्णु मेहंदी बोइयां, विष्णु मेहंदी बोइयां
लक्ष्मी पीसे पात, मेहंदी रंग लागा

4 भोले बाबा मेहंदी बोइयां, बाबा मेहंदी बोइयां
मैया पीसे पात, मेहंदी रंग लागा।

5 राम जी मेहंदी बोइयां, राम जी मेहंदी बोइयां
सीता पीसे पात, मेहंदी रंग लागा।
कृष्णा मेहंदी बोइयां, कृष्णा मेहंदी बोइयां

6 राधा पीसे पात, मेहंदी रंग लागा।
ध्यानू मेहंदी बोइयां, ध्यानू मेहंदी बोइयां
भक्तनि पीसे पात, मेहंदी रंग लागा।

~110~

कँजका खेल रहियाँ

<u>कंजका खेल रहियां</u>
<u>जय माता की</u>

खेल रहियां खेल रहियां
दरबार कंजका खेल रहियां
1 सब एक ही जेइयां, सब एक ही जेइयां
भवनां वाली माँ सरदार, कंजका खेल रहियां

2 सिर सुए दी चुन्नियां, सिर सुए दी चुन्नियां
माँ के मस्तक चंद्र सुहाय, कंजका खेल रहियां

3 राज द्वारे पांतरा, राज द्वारे पांतरा
माँ के पवनेवर झनकार, कंजका खेल रहियां

4 राज द्वारे पीपला, राज द्वारे पीपला
बड़ सोहे पिछवाड़ , कंजका खेल रहियां

5 पीपल पिंगा पाइयां, पीपल पिंगा पाइयां
झूला झूले आद कुंवार, कंजका खेल रहियां

6 मुख पानो दी बीड़ियाँ, मुख पानो दी बीड़ियाँ
भीड़ लगी दरबार, कंजका खेल रहियां

7 जन ध्यानू दी विनती, जन ध्यानू दी विनती
माँ सुन लो मन चित लाये, कंजका खेल रहियां

~111~

तुम दाता तिरलोक माँ

जय माता की

तुम दाता तिरलोक माँ
तेरा दर छोड़ कौन दर जाँऊ
तुम दाता तिरलोक माँ

1 प्रथमे तुमको ब्रहमा ध्यावे
ब्रहमा ध्यावे वेद पढ़न को
ब्रहमा ध्यावे वेद पढ़न को, वाको दीने वेद बताये
तुम दाता तिरलोक माँ

2 द्वितय तुमको विष्णु मनावें
विष्णु मनावें राज करन को
विष्णु मनावें राज करन को, वाको दीजे राज बताये
तुम दाता तिरलोक माँ

3 तृतीय तुमको शिव जी ध्यावे
शिव जी ध्यावे योग करन को, वाको दीजे योग बताये
तुम दाता तिरलोक माँ

4 चौथे तुमको चारों युग ध्यावे
सतयुग त्रेता द्वापर, कलयुग
सतयुग त्रेता द्वापर, कलयुग भक्तों के भण्डार भंरावे
तुम दाता तिरलोक माँ

5 पंजवे तुमको ध्यानु ध्यावे
ध्यानु ध्यावे भक्ति करन को
ध्यानु ध्यावे भक्ति करन को, वाको दीजे भक्ति बताये
तुम दाता तिरलोक

~112~

पूरन जोत अपारा माँ

जय माता की

पूरन जोत अपारा माँ
तेरी जग रही जोत ज्वाला माँ
जय काली कलकत्ते वाली
जय काली कलकत्ते वाली
जय काली कलकत्ते वाली, पूरन जोत अपारा माँ

1 कलकत्ते में आदि स्थान है
कलकत्ते में आदि स्थान है
कृष्ण रूप अवतारा माँ, पूरन जोत अपारा माँ
तले बहे भागीरथी गंगा
तले बहे भागीरथी गंगा
पितरों दा उद्धारा माँ, पूरन जोत अपारा माँ

2 तेरे भवन की क्या छवि वरनुँ
तेरे भवन की क्या छवि वरनुँ
देख मुक्ति द्वारा माँ, पूरन जोत अपारा माँ
बामन वीर चौंसठ संग जोगन
बामन वीर चौंसठ संग जोगन
भैरों लाल तुम्हारा माँए पूरन जोत अपारा माँ

3 शव वाहन असवार कालका
शव वाहन असवार कालका
हाथ खंडे की धारा माँ, पूरन जोत अपारा माँ
सुमर चरन ध्यानु यश गावें
सुमर चरन ध्यानु यश गावें
दीजे नाम अधारा माँए पूरन जोत अपारा माँ

~113~

मेला मेला मेला माँ कालका का मेला

<u>जय माता की</u>

मेला मेला मेला माँ कालका का मेला
मेला मेला मेला माँ भवना वाली का मेला
मेला मेला मेला माँ दिल्ली वाली का मेला
जब से धोलागढ़ से बिछड़ा
तब से फिरुँ अकेला
माँ कालका का मेला

1 एक हथ तेरे चम्पा मरवा
दूजे हाथ हमेला
माँ कालका का मेला

2 चंदन की चौकी पर बैठी
मस्तक चंद सुहेला
माँ कालका का मेला

3 लाय दीवान बैठी वरदाती
साध भगत घर मेला
माँ कालका का मेला

4 लज्जो धर्मों पर किरपा कीजे
आप गुरु जग चेला
माँ कालका का मेला
मेला मेला मेला माँ लाड़ली का मेला

~114~

माँ किला कांगडा तेरा

<u>जय माता की</u>

माँ किला काँगड़ा तेरा, माँ किला काँगड़ा तेरा
पर्वत पर करो बसेरा, माँ किला काँगड़ा तेरा

1 नगर कोट की आध भवानी
मुगल तुरक ने नाही मानी
तबे जड़ाये नहर महंगाई
पाया भवन पे घेरा
माँ किला काँगड़ा तेरा

2 तवे फोड होई परचण्डी
मुगल भाग गए पगडन्डी
उनका फूँक दिया सब डेरा
माँ किला काँगड़ा तेरा

3 भागा मुगल शरणी आया, भरम भुलाना बक्शो माया
फेर न पावां फेरा
माँ किला काँगड़ा तेरा

4 झूले झंडे लाल निशाना, मैया पहने सुआ बाना
जन ध्यानु चाकर तेरा
माँ किला काँगड़ा तेरा

~115~

जै - 2 चिन्तपूरनी, चिन्ता दूर करनी

<u>जय माता की</u>

जै - 2 चिन्तपुरनी चिंता दूर करनी
मैनु तारों भोली माँ, बछड़े तारों भोली माँ
जै - 2 चिन्तपुरनी चिंता दूर करनी

1 ऊँचे - ऊँचे पर्वत भवन तुम्हारा
माँ भवन तुम्हारा माँ भवन तुम्हारा
तले बहे दरियाव भोली माँ
जै - 2 चिन्तपुरनी

2 हरि हर बह्मा भवन विराजे
माँ भवन विराजे
लाल चंदोया ताने बैठी भोली माँ
जै - 2 चिन्तपुरनी

3 चम्पे दा बाग़ बना अति सुंदर
बना अति सुंदर बना अति सुंदर
बैठी दरबार लगाया भोली माँ
जै - 2 चिन्तपुरनी

4 सुमर चरण तेरा ध्यानु यश गावे
ध्यानु यश गावे ध्यानु यश गावे
वाने पेंज निभाओ भोली माँ
जै - 2 चिन्तपुरनी

~116~

कालका भवानी देवी कालका भवानी

जय माता की

कालका भवानी देवी कालका भवानी
बाहु में विराजे देवी कालका भवानी

1 काश्मीर मुख्य मंदर अम्बिका का
मंदर अम्बिका का हाँ मंदर अम्बिका का
बस रही क्षीर भवानी देवी कालका भवानी

2 नगर कोट देवी आदि भवानी
आदि भवानी देवी आदि भवानी
सब देवन मन मानी देवी कालका भवानी

3 उत्तर दिशा हिंगलाज भवानी – 3
दक्षिण तुलसारानी देवी कालका भवानी

4 काम रूप कामाख्या देवी – 3
गढ़ काबुल आशा रानी देवी देवी कालका भवानी

5 सुमर चरण तेरा ध्यानु यश गावे
ध्यानु यश गावे तेरा ध्यानु यश गावे
दीजे सिद्धि बानी देवी कालका भवानी

~117~

तुम मेरो भोली माँ, मात तेरी सेवा ना जानी

<u>जय माता की</u>

तुम मेरी भोली माँ - मात तेरी सेवा ना - जानी
माता तेरी पूजा ना जानी, मात तेरी सेवा ना - जानी
मैया नगर कोट गढ़ स्थान - कांगड़े वाली अम्बा
मैया नगर कोट गढ़ स्थान, जहाँ मेरी आद भवानी
जहाँ मेरी आद भवानी 2
मैया तुम मेरी ....

1 कौन तेरी तापे है रसोई भवनाँ वाली अम्बा
कौन तेरी तापे है रसोई, कौन भर लावेगा पानी
कौन भर लावेगा पानी......2
मैया तुम मेरी ....

2 मैया सूरज तापे है रसोई - गौरा रानी अम्बा
मैया सूरज तापे है रसोई, इंद्र भर लावेगा पानी
इंद्र भर लावेगा पानी.............2
मैया तुम मेरी ....

3 मैया बहु मेवा पकवान ज्वाला रानी अम्बा
मैया बहु मेवा पकवान, नारियल भेंट तुम्हारी
नारियल भेंट तुम्हारी........2
मैया तुम मेरी ....

4 मैया जीमों जीमों गौरां माँ, अम्बा रानी अम्बा
मैया जीमों जीमों गौरां माँ, तुम्हीं तिरलोक की रानी
तुम्हीं तिरलोक की रानी........2
मैया तुम मेरी ....

5 मैया शुम्भ निशुम्भ दियो मार, कालका रानी अम्बा
मैया शुम्भ निशुम्भ दियो मार, की दैत्यों की सूरत भुलानी
की दैत्यों की सूरत भुलानी 2
मैया तुम मेरी ....

6 मईया लाल तेरा तो पे बलिहार, भवना वाली अम्बा
मईया लाल तेरा तो पे बलिहार, की रखियो माँ अपनी शरण
की रखियो माँ अपनी शरणी........2
मैया तुम मेरी भोली माँ ....

~118~

मेरी नवरिया कर दो पार

<u>जय माता की</u>

मेरी नवरिया कर दो पार
कर दो पार लगा दो पार
मैं जाना साँचे दरबार
ज्योंता वाली आद कुंवार
मेरी नवरिया ....

1 लोग कहें ये पंथ सुहेला
तेरा पंथ खंण्डे की धार
मेरी नवरिया ....

2 लोभ लहर में बहा जाता हूँ
अपने कर से पार उतार
मेरी नवरिया ....

3 आगे पतित उनके उबारे
आई गरीबां दी हुन बार
मेरी नवरिया ....

4 सतयुग त्रेता द्वापर कलयुग
भक्ता दे भण्डार भरा
मेरी नवरिया ....

5 सुमर चरण ध्यानु यश गावें
दीजे मैनु नाम अधार
मेरी नवरिया ....

हुन तारन दा वेला – भवानी

जय माता की

हुन तारन दा वेला भवानी, हुन तारन दा वेला भवानी

1 अम्ब तले मैं खड़ी उड़ीका
तेरा वक्त न जाना वेला, माँ हुन तारन दा वेला

2 अम्ब पके सभी फल पक्के
वन - वन मौला केला, माँ हुन तारन दा वेला

3 चंदन चौकी मात विराजे
माँ के मस्तक चंद्र सुहेला, माँ हुन तारन दा वेला

4 लाए दीवान बैठी वरदाती
साथ भगत घर मेला, माँ हुन तारन दा वेला

5 लज्जो धर्मों पर किरपा कीजे
हम बच्चों पर कृपा कीजे
आप गुरु जग चेला, माँ हुन तारन दा वेला

6 रतनगिर पर्वत दे ऊपर
तेरा सिंह फिर अलबेला, माँ हुन तारन दा वेला

~120~

मेरो नाथ लहरी

<u>जय माता की</u>

मेरो नाथ लहरी भोले बाबा लहरी
मैं तो बागड़ियों में बिजिया उगाय रख

1 क्या तो बोवां काशी जी मेए कटा बोवां प्रयाग
क्या तो बोवां हर की पौड़ी, क्या बोवां दरबार
क्या तो बोवां हर की पौड़ी, क्या बोवां दरबार
मेरो नाथ लहरी भोले नाथ लहरी

2 केसर बोवां काशी जी मे, चंदन प्रयाग
बिजिया बोवां हर की पौड़ी, धतूरा दरबार हे
मेरो नाथ लेहरी भोले नाथ लेहरी

3 घोटत गणेश जी छाने हनुमान
भर - 2 देती पार्वती, तुम पियो भोले नाथ हे
मेरो नाथ लहरी, भोले नाथ लहरी

4 कोई माँगे अन्न धन कोई माँगे रूप
कोई माँगे निर्मल काया कोई माँगे पूत
मेरो नाथ लहरी, भोले नाथ लहरी

5 निर्धन को अन्न धन, राजन को रूप
कोड़ियो को निर्मल काया, बाँझन को पूत - 2
मेरो नाथ लहरी, भोले नाथ लहरी
मैं तो बागड़ियो में बिजिया उगाये रख दी

~121~

मेरा भोला बसेसर सांई वे

जय माता की

मेरा भोला बसेसर साई वे 2
साई वे साई वे साई वे 2
ओह मेरा भोला, आहा जी मेरा भोला 2

1 काशी में आंवदा, मुक्त फल पांवदा
तैनु मैं तक कर आई वे
साई वे ....
मेरा भोला बसेसर साई वे

2 अन्नपूर्णा साक्षी, विनायक
बाबा भैंरों फिरत दुहाई वे साई वे
मेरा भोला बसेसर साई वे..........

3 अस्स्सी वरना के बीच जो आये
मणि कणिका अजब बनाई वे साईं वे ....

4 अंधे नू अखियां दे दी कोड़ी नू काया
बाँझा दी कालिका बटुक खिलावै जी
गोद भराई वे साई वे ....
मेरा भोला बसेसर साई वे

~122~

डम डम डमरू वाला

जय माता की

डम डम डमरू वाला, बड़ा मतवाला है
डम डम डमरू वाला, बड़ा मतवाला है

1 बाये अंग में गौरां विराजे
गोदी में गणपंत लाला, बड़ा मतवाला है
डम डम डमरू ....

2 शेष नाग का पड़ा जनेऊ
गले नाग अति काला, बड़ा मतवाला है
डम डम डमरू ....

3 रहने को चाहिए बाबा मंदिर शिवाले
पीने को भंग का प्याला, बड़ा मतवाला है
डम डम डमरू ....

4 मलने को चाहिए बाबा अंग भभूति
बैठन को मृग की छाला बड़ा मतवाला है
डम डम डमरू................

~123~

नित नवइयाँ नित नवइयाँ

जय माता की

नित नवईयां, नित नवईयां
दरबार खुशियाँ नित नवईयां
हर बार खुशियाँ नित नवईयां

1 जम – जम आवे तेरा चैत महीना
चाल आई दरबार खुशियाँ नित नवईयां

2 सुर – नर मुनि जन सकल देवता
भीड़ लगी दरबार खुशियाँ नित नवईयां

3 सुआ – सुआ चोला माँ के अंग विराजे
झूले ध्वजा अपार खुशियाँ नित नवईयां

4 लालों दा सिर छत्तर विराजे
मंणीयों दा सिर मुकुट विराजे
हीरे रतन जड़ाए, खुशियाँ नित नवईयां

5 सात सुपारी ध्वजा नरेला
पान सुपारी नरियल मेवा
पहली भेंट चढ़ाये, खुशियाँ नित नवईयां

6 गिरी छुआरे और खोपरा
पांचो फल और पांचो मेवा
मीठे भोग लगाए, खुशियाँ नित नवईयां

7 सुमर चरण ध्यानु यश गावें
दुर्गा मडल तेरा गुण गावें
बाने पैंजा निभाए खुशियाँ नित नवईयां
नित नवईयां, नित नवईयां

~124~

फुलवा बीने हो

जय माता की

फुलवा बीने हो माँ फुलवा बीने हो
गुलाब रंग बीने हो, केसरिया रंग बीने हो
फुलवा बीने हो ....

1 छोटी छोटी मालनिया लम्बे वाके केश
फुलवा बीनत बीनत गई मैया जी के देश
फुलवा बीने हो ....

2 फुलवा बीनत बीनत मेरी उंगलियां पिराये
अंगुली की पीर मोपे सही नहीं जाए
फुलवा बीने हो ....

3 फुलवा बीनत बीनत मुझे हो गई शाम
आज बसेगें हम तेरे नगर कोट के धाम
फुलवा बीने हो ....

4 सुमर चरन ध्यानु जस गावें
गुण गावे तेरे लाल ....
अपने भक्तों को दीजे चरणों का वास
फुलवा बीने हो....................

खेले थी - २ महारानी भूमीका खेले थी

<u>जय माता की</u>

खेले थी खेले थी महारानी भुमीका खेले थी
बालाओं के संग भूमिका खेले थी
खेले थी ....

1 बालाओं के संग मात ने अद्भुत खेल रचया
चहुँ दिशा से भ्रमता जोगी गोरख कतरे आया
अनगिनत चेले लिये संग माता के दर्शन पाया
क्या छवि वारनु उस जोगी की
क्या छवि वारनु उस जोगी की, भस्म रमाई अंग
भूमिका खेले थी ....

2 कन्या रूप में दर्शन करके शंका मन में आई
यह कन्या कन्या नहीं दिखे दिखे वैष्णों माई
लेऊँ परीक्षा इस कन्या की मन में यही समाई
लेन परीक्षा चल दिए जोगी 2

3 थर - थर काँपे अंग भूमिका खेली थी
अलख निरंजन अलख जगा के जोगी वचन सुनाये
आये भरमते बड़ी दूर से भोजन नहीं पाए
है कोई दानी इस नगरी में जो भोजन कराये
पहले भोजन दे संगता को
पहले भोजन दे संगता को, फिर होव सतसंग
भूमिका खेले थी ....

4 इतना वचन सुना जोगी का माता मन में कीन्हा
लेने परीक्षा हमरी आया गोरख सिद्ध परवीना
तुम्हे नाथ हम भोजन देंगे इतना ही कह देना
बालाएँ मन में घबराई
बालाएँ मन में घबराई ए जो भी माता संग
भूमिका ....

5 फिर मैया ने ध्यान लगा के कुटिया एक बनाई
कल्प वृक्षए इंद्राणी रानी कामधेनु भी आई
भोजन कर तैर माता ने वीर कला दर्शाई
छत्तीस भोजन दे संगत को ....
छत्तीस भोजन दे संगत को, बाण निकाली गंग
भूमिका खेले थी ....

6 एक जोगेशवर समुख हो माता को वचन सुनावे
मांस मदिरा हम को लादे, सुंमता घबराये
लगर शीश काट जोगी का जोगी वर मंगता है
ज्ञान ध्यान भक्ति सम दीजे
ज्ञान ध्यान भक्ति सम दीजे, मन में यही उमंग
भूमिका ....

7 बह्ममा आवे वेद सुनावे विष्णु अर्ज सुनावे
बाबा आवें ध्यान लगावेए अष्ट पहर लो लगावे
सुरनर मुनिजन सकल देवता इंद्र आरती गावें
सुमर चरन ध्यानु जस गावे
सुमर चरन ध्यानु जस गावे, रख चरणों के संग
भूमिका खेली थी ....

बाजे - बाजे जी घुंघरिया माँ

<u>जय माता की</u>

बाजे - बाजे जी ....
बाजे - बाजे जी घुंघरिया माँ
रूनझुन - रूनझुन रूनझुन माई मेरी रूनझुन

1 माथे दी शोभा रानी वेना सोहे
वेने दे नाल सुंदर सोहे जी - 2 घुंघरिया

2 कानो दी शोभा रानी बालिया सोहे
अत्तों दे नाल सुंदर सोहे जी - 2 घुंघरिया

3 हाथों दी शोभा रानी कंगने सोहे
छन्नो दे नाल सुंदर सोहे जी - 2 घुंघरिया

4 पैरों दी शोभा रानी पायल सोहे
चुटकी दे नाल सुंदर सोहे जी - 2 घुंघरिया

5 कमर दी शोभा रानी तगड़ी सोहे
गुच्छों दे नाल सुंदर सोहे जी - 2 घुंघरिया

~127~

अहो मात गल चोला साजे

जय माता की

अहो मात गल चोला साजे
दुर्गे मात गल चोला साजे
सुंदर अधिक स्वरूप माई दा सुंदर ....
मुनिजन पार न पावे ....

1 अतलस मखमल कीनखब जरदा दरियाई
सुआ सुनहरी शवेत चोले हर रंग ले आई
गल में तोडा सजदा जी ....

2 सुंदर अधिक सवरूप माता संग सहेलीयां
जो तारों विच ध्रुव
माता गल चोला साजे ....

3 चंदन चौकी शवेत शंख चूड़ा हथ साजे
चंपा मरवा शवेत गले में हार विराजे
हीरा माथे चमक दा जी ....
गल मोतियन दी माल ....

4 मस्तक तिलक शवेत है
पवनेवर झंकार - मात गाल चोला साजे

5 लाल मंदिर विच लाल भवानी लालों गलमाल
लाल लौकड़ा लाल ध्वजा लालो दरबार
लालो छत्तर विराज दा जी..........
लालो गोटा लाल, लाल भवन में ज्योत जगे
लालो दा श्रृंगार - मत गल चोला साजे

6 पिले कुण्डल करन फूल सिर मुकूट विराजे
पीला सोहे छत्तर की पिली झालर लागे
पीला टिका साजदा जी..........
पिले भूषण अनके
पीला सिंह है गाजदा
पिले वाके केश – मात गल चोला साजे

7 काली सोहे खड्ग काला हथ फरसा साजे
काला हथ त्रिशूल नैनों विच कजरा साजे
काली बरछी सोहे दी जी..........
तीखी बाकी धार
सिंह सवार माँ कर दी
असुरों दा संहार – मात गल चोला साजे

8 साँवल पिण्डी आप सांवरे नैन सुहाय
संवाल मोर चकोर भवन पर पायल पाए
सावल पर्सन आ गए जी..........
ब्रह्मा विष्णु महेश
जन ध्यानु यश गांवदा
दर्शन पाँवा हमेश – मात गाल चोला साजे
अहो मत गल चोला साजे

~128~

दरबारा वाली पहन लो

जय माता की

दरबारा वाली पहन लोए पहाड़ा वाली पहन लो
तुम पहन लो गल मोतिओं दे हार जै - 2

1 ऊँचे - ऊँचे पीपल पिंगा पाइयाँ
सब सखियाँ मिल झूलन आइयां
झूले झूले आद क्कार ....
क्कार माँ है मेरी अम्बा
झूले झूले आद क्कार माँ
तुम पहन लो गल ......

3 पचरंग सुआ चोला अंग विराजे
लाल किनारी चौले झालर लागे
झूले - झूले ध्वजा निशान ....
निशान माँ है मेरी अम्बा
झूले - झूले ध्वजा निशान माँ
तुम पहन लो गल ......

4 लालों दा सिर छत्तर विराजे
लख चौरासी घंटा बाजे
घंटो दी सुंदर आवाज .....
आवाज माँ है मेरी अम्बा
घंटो दी सुंदर आवाज माँ
तुम पहन लो गल ......

5 सिंह वाहन पर पाखर डाली
कर लंगूर अगवान ....
अगवान माँ है मेरी अम्बा
कर लंगूर अगवान माँ
तुम पहन लो गल ......

6 पाव पलक में रावण मारा
गढ़ लंका सिरदार ....
सिरदार माँ है मेरी अम्बा
गढ़ लंका सिरदार माँ
तुम पहन लो गल ......

7 सुमर चरन तेरा ध्यानु यश गावे
दीजे नाम आधार
आधार माँ है मेरी अम्बा
दीजे नाम आधार माँ
तुम पहन लो गल ......

श्री गणेश तारा रानी

श्री गणेश तारा रानी

आँद निरमुख अम्बिका मन्दिर अम्बिका
मै वारी - 2 जावाँ तेरी जल पर जोत
तेरे चरणों में मैं वारी - 2 जावाँ ....

1 प्रथम उपजे आप नारायण
आप नारायण रूप नारायण
दुतिये ज्वाला माई जै - 2 माँ
तेरे चरणों ....

2 तृतीय उपये तीनों देवताए तीनों देवता
चौथे सकल संसार जै - 2 माँ
तेरे चरणों ....

3 पाँचवे उपजे पाँचों पांडव पाँचों पांडव
छटा नारायण देव जै - 2 माँ ....
तेरे चरणों ....

4 सातवें उपजे सातों दीप सातों दीप माँ
आठवें अष्ट भुजी माई जै - 2 माँ .....
तेरे चरणों ....

5 नौवें उपजे नौ ग्रह देवताए नौ ग्रह देवता
दसवें दस अवतार जै - 2 माँ
तेरे चरणों ....

6 गयाहरवें उपजे गयाहर रूप माँ गयाहर रूप माँ
बारहवें उपजे बारह मास माँ जै - 2 माँ
तेरे चरणों ....

7 तेरहवे उपजे तेरहाँ रसायन माँ
तेरहाँ रसायन माँए
चौदहवे चौदह भवन माँ जै - 2 माँ
तेरे चरणों ....

8 पंद्रहवे उपजे पंद्रह तिथियां - 2
सोलह कला संपूर्ण माँ जै - 2 माँ
तेरी जोता को मैं वारि - 2 जावाँ
तेरे चरणों ....